# सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

लॉर्ड्स में जो रूट ने जड़ा शतक, राहुल द्रविड़ का ये रिकॉर्ड तोड़ा.... -पेज: 7

रवि किशन की बेटी रीवा इन शर्तों पर कर सकती हैं भोजपुरी फिल्मे.... -पेज: 8



वर्ष: 01 | अंक: 93 | शनिवार 12 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए


# ओडिशा में राहुल गांधी की संविधान बचाओ रैली, बोले- जल, जंगल, जमीन चुराना चाहती है भाजपा

**ओडिशा (एजेंसी):** कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को ओडिशा में संविधान बचाओ रैली नामक एक जनसभा में भाग लिया। यह सभा पार्टी द्वारा समर्थन जुटाने और महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों का हिस्सा है। इस दौरान राहुल ने भाजपा पर जमकर वार किया। उन्होंने कहा कि ओडिशा सरकार का बस एक ही काम है - राज्य की गरीब जनता के हाथों से ओडिशा की संपत्ति छीनना। पहले बीजद सरकार यही करती थी और अब भाजपा सरकार यही कर रही है। एक तरफ ओडिशा की गरीब जनता, दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग, किसान और मजदूर हैं, तो दूसरी तरफ 5-6 अरबपति और भाजपा सरकार है। यह लड़ाई जारी है। ओडिशा की जनता के साथ मिलकर कांग्रेस कार्यकर्ता ही इस लड़ाई को जीत सकते हैं, कोई और नहीं। राहुल ने आगे कहा कि मैं कल बिहार में था। जैसे महाराष्ट्र में चुनाव चोरी की गई, वैसी ही कोशिश बिहार में भी हो रही है। चुनाव चोरी के लिए चुनाव आयोग ने एक नई साज़िश रची है। चुनाव आयोग भाजपा की शाखा की तरह काम कर रहा है, अपना काम नहीं कर रहा। महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच एक करोड़ नए मतदाता जुड़े। उन्होंने कहा कि कोई नहीं जानता कि ये मतदाता कौन थे और कहाँ से आए। हमने चुनाव आयोग से कई बार मतदाता सूची और वीडियोग्राफी उपलब्ध कराने को कहा। लेकिन चुनाव आयोग ने हमें ये नहीं दिए। वे बिहार में भी वही चोरी करने जा रहे हैं जो महाराष्ट्र में की गई थी। मैं कल बिहार गया था और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन के नेताओं के साथ मैंने कहा कि हम चुनाव आयोग और भाजपा को बिहार चुनाव की चोरी नहीं करने देंगे। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि अडानी ओडिशा सरकार चलाते हैं, अडानी नरेंद्र मोदी चलाते हैं। जब ओडिशा में जगन्नाथ यात्रा निकलती है, जब जगन्नाथ यात्रा के रथ खींचे जाते हैं, तो लाखों लोग इसे देखते हैं और इसके पीछे चलते हैं। फिर, एक नाटक होता है - अडानी और उनके परिवार के लिए रथ रोक दिए जाते हैं। इससे आपको ओडिशा सरकार के बारे में सब कुछ समझ आ जाएगा। यह ओडिशा सरकार नहीं है, यह अडानी जैसे 5-6 अरबपतियों की सरकार है। इसका लक्ष्य आपकी जमीन, जंगल और भविष्य को लूटना है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भाजपा आपसे जल, जंगल, जमीन चुराना चाहती है। उन्होंने आगे कहा क कुछ नया शुरू हो गया है। ओडिशा में 40,000 से ज्यादा महिलाएँ गायब हो चुकी हैं। आज तक पता नहीं चला कि ये महिलाएँ कहाँ गईं। यहाँ हर रोज महिलाओं पर अत्याचार होता है। उनके साथ बलात्कार होता है। ओडिशा में हर रोज 15 महिलाओं के साथ बलात्कार होता है। आपकी सरकार चौबीसों घंटे सिर्फ. आपका खून चूसती है, आपकी जमीन छीनती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के जमीनी कार्यकर्ता- जिनके डीएनए में कांग्रेस है। आप हमारे बब्बर शेर हैं, जो ओडिशा की जनता की रक्षा करते हैं। ओडिशा की भाजपा सरकार का सिर्फ एक

**राहुल ने आगे कहा कि मैं कल बिहार में था। जैसे महाराष्ट्र में चुनाव चोरी की गई, वैसी ही कोशिश बिहार में भी हो रही है। चुनाव चोरी के लिए चुनाव आयोग ने एक नई साज़िश रची है। चुनाव आयोग भाजपा की शाखा की तरह काम कर रहा है**

## यमुना को स्वच्छ बनाने पर मंथन, अमित शाह की अध्यक्षता में हुई बड़ी बैठक, रेखा गुप्ता रहीं मौजूद

**नई दिल्ली (एजेंसी):** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ यमुना नदी के पुनरुद्धार पर एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और सीआर पाटिल के साथ-साथ लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री भी बैठक में शामिल हुए। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और दिल्ली के मुख्य सचिव धर्मेंद्र भी गृह मंत्रालय और दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में मौजूद थे। चर्चा में यमुना नदी के पुनरुद्धार और पुनरुद्धार के लिए समन्वित प्रयासों और कार्य योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसे दिल्ली के पर्यावरण और जन स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। इस सप्ताह की शुरूआत में, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली जल बोर्ड ने राजधानी के जल बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, सीवरेज नेटवर्क को उन्नत करने, टैंकर सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ाने और अत्यधिक प्रदूषित यमुना नदी के पुनरुद्धार के उद्देश्य से एक 45-सूत्रीय कार्य योजना प्रस्तुत की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है कि 9,000 करोड़ रुपये के बजट वाली इस व्यापक योजना को अगले साल तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान का उद्देश्य राजधानी को स्वच्छ जल और प्रदूषण मुक्त यमुना उपलब्ध कराना है।

# पहले आप ये तय करें किस पार्टी से हैं, थरूर ने इशारों में जताई सीएम बनने की इच्छा तो मुरलीधरन ने कसा तंज

**तिरुवनंतपुरम (एजेंसी):** कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बीते दिन एक सर्वे शेयर किया था, जिसमें उन्हें केरल के मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे लोकप्रिय नेता बताया गया। इसको लेकर राजनीतिक घमासान मच गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन ने अपनी ही पार्टी के नेता पर तंज कसते हुए कहा कि पहले थरूर को ये तय करना चाहिए कि वो किस पार्टी में हैं। दरअसल, थरूर ने इशारों-इशारों में सीएम बनने की इच्छा जताई, जिसपर मुरलीधरन ने निशाना साधा। मुरलीधरन ने शशि थरूर की एक्स पोस्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पत्रकारों से कहा, "सर्वे में भले ही कोई और आगे चल रहा हो, लेकिन अगर 2026 के विधानसभा चुनाव में यूडीएफ सत्ता में आती है

तो मुख्यमंत्री यूडीएफ से ही होगा। हमारा लक्ष्य चुनाव जीतना है। हमें ऐसे अनावश्यक विवादों में किसी तरह की कोई दिलचस्पी नहीं है।" सर्वे चाहे जो भी कहे लेकिन... उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस की केरल इकाई में कई वरिष्ठ नेता हैं, जिन पर मुख्यमंत्री पद के लिए विचार किया जाएगा, चाहे कोई भी सर्वेक्षण कुछ भी कहे। मुरलीधरन ने कहा कि पार्टी के पास नियमों का एक ढांचा है, जिसके अनुसार यह निर्णय लिया जाएगा कि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। दरअसल, मुरलीधरन का ये बयान ऐसे वक्त पर आया है जब कांग्रेस पार्टी और शशि थरूर के बीच तनातनी चल रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद लॉन्च किए गए ऑपरेशन सिंदूर का शशि थरूर ने खुलकर समर्थन किया और जो सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेशों में भेजा गया वो उसका हिस्सा भी रहे। कई मौकों पर वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ भी कर चुके हैं, जो पार्टी को रास नहीं आई। सर्वे में क्या बताया गया? एक प्राइवेट एजेंसी ने सर्वे कराया है, जिसमें 28.3 प्रतिशत लोगों का मानना है कि राज्य का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त नेता हैं। थरूर ने इस सर्वे को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी शेयर किया और एक हाथ जोड़ने वाला इमोजी भी लगाई। बता दें कि केरल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। सीएम पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली सरकार का कार्यकाल खत्म होने वाला है।

# चुनाव से पहले सीएम नीतीश की बड़ी सौगात, 1 करोड़ से अधिक लोगों के अकाउंट में 1100-1100 रुपये ट्रांसफर

**बिहार (एजेंसी):** बिहार में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को पटना स्थित अपने सरकारी आवास से 1.11 करोड़ लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन वितरित की और विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के तहत प्रत्येक को 1,100 रुपये प्रदान किए। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से कुल 1,227.27 करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित किए गए। इस कार्यक्रम में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा भी उपस्थित थे। नीतीश कुमार ने कहा कि पहले हम सामाजिक सुरक्षा पेंशन के रूप में 400 रुपये प्रदान करते थे, जिसे अब बढ़ाकर 1,100 रुपये कर दिया गया है ताकि विभिन्न सरकारी योजनाओं

के तहत विधवाओं, विकलांगों और वरिष्ठ नागरिकों को लाभ मिल सके। नीतीश ने कहा कि समाज के हर वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए हमलोग निरंतर प्रयासरत हैं ताकि सभी एक सम्मानजनक तथा बेहतर जीवन व्यतीत कर सकें। विपक्ष और राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए कुमार ने कहा कि पिछले 20 सालों में जो कुछ भी हुआ है, उसमें उनका कोई खास योगदान नहीं है। 2005 से पहले कोई न कोई कुछ करता था, हम (राजद के साथ) गलती से दो बार वहाँ गए थे, लेकिन क्या इन लोगों ने कुछ खास किया है? उन्होंने आगे कहा कि बिहार में राजनीति का एक नया युग शुरू होगा और इस बात पर जोर दिया कि सभी मिलकर विकास के पथ पर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की ओर देखते हुए कहा, "हम भविष्य में कभी इधर-उधर नहीं जाएँगे, बल्कि राज्य के विकास के लिए साथ-साथ चलेंगे।

**नीतीश कुमार ने कहा कि पहले हम सामाजिक सुरक्षा पेंशन के रूप में 400 रुपये प्रदान करते थे, जिसे अब बढ़ाकर 1,100 रुपये कर दिया गया है**

# संविधान से धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद खत्म करने की कोशिश कर रही है भाजपा, मल्लिकार्जुन खड़गे ने साधा निशाना

**नई दिल्ली (एजेंसी):** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार संविधान से धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद को हटाने का प्रयास कर रही है। खड़गे ने पार्टी के संविधान बचाओ समावेश कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि देश के दलितों, आदिवासियों और युवाओं को भाजपा शासन में अपने अधिकारों के लिए लड़ना सीखना होगा। उन्होंने कहा, केंद्र की भाजपा सरकार हमारे संविधान से धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद को हटाने का प्रयास कर रही है। भाजपा समर्थक दलितों और सरकारी अधिकारियों पर हमले कर रहे हैं खड़गे ने यह भी दावा किया कि भाजपा समर्थक ओडिशा में दलितों और सरकारी अधिकारियों पर हमले कर रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, अगर दलित, आदिवासी और युवा अपने अधिकारों के लिए लड़ना

नहीं सीखेंगे तो भाजपा उनका सफाया कर देगी। केंद्र पर निशाना साधते हुए उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार ने भारत में 160 सार्वजनिक उपक्रमों की स्थापना की जबकि भाजपा सरकार ने उनमें से 23 का निजीकरण कर दिया। गुरुग्राम पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि वह पूर्व टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की हत्या के सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है, जिसमें यह भी शामिल है कि घटना के समय उनकी मां क्या कर रही थीं। राधिका के चाचा कुलदीप यादव की ओर से दी गई शिकायत के आधार पर दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, घटना के समय राधिका की मां मंजू यादव मकान की पहली मंजिल पर ही मौजूद थीं। गुरुग्राम के पॉश इलाके सुशांत लोक में स्थित अपने दो मंजिला मकान में बृहस्पतिवार को दीपक यादव ने अपनी बेटी राधिका (25) की गोली मारकर हत्या कर दी थी। बाद में दीपक यादव (49) ने बेटी की हत्या की बात कबूल कर ली, फिर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

# भारत को नुकसान होता तो वो एक फोटो तो दिखाते, ऑपरेशन सिंदूर पर पाक के दावों की अजीत डोभाल ने खोली पोल

**नई दिल्ली (एजेंसी):** 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई के बारे में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत को इस ऑपरेशन के दौरान कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। ।IT मद्रास में अपने संबोधन के दौरान डोभाल ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को लेकर मीडिया ने झूठी खबरें फैलाई। मुझे एक तस्वीर भी दिखा दीजिए जिसमें भारत को नुकसान पहुंचा हो। स्वदेशी तकनीक पर किया गर्व उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी और वॉरफेयर के बीच संबंध हमेशा महत्वपूर्ण रहता है। हमें ऑपरेशन सिंदूर पर नाज है और हमें गर्व है कि इस ऑपरेशन के दौरान हमने स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल किया। उन्होंने बताया कि हमने सीमापार पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकानों पर हमले का फैसला किया था और इसमें सीमावर्ती इलाकों का एक भी ठिकाना नहीं था। हमारे सभी निशाने सटीक रहे और

हमने सिर्फ आतंकी ठिकानों को नेस्तानाबूद किया। एनएसए अजीत डोभाल ने कहा कि ऑपरेशन 23 मिनट का था और इस दौरान भारत को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। उन्होंने कहा कि मुझे एक तस्वीर दिखा दीजिए, जिसमें भारत को नुकसान पहुंचा हो। यहां तक कि एक गिलास भी नहीं टूटा। विदेशी मीडिया पर डोभाल का निशाना विदेशी मीडिया पर निशाना साधते हुए अजीत डोभाल ने कहा कि उन्होंने कई चीजें कही और उन्होंने कुछ चुनिंदा तस्वीरों को आधार बनाकर पाकिस्तान के 13 एअरबेस को लेकर कई बातें कही। लेकिन 10 मई से पहले और इसके बाद पाकिस्तान के 13 एअरबेस की सैटेलाइट तस्वीरें देखें, सब साफ हो जाएगा। बता दें, 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए 7 मई की रात ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। इसके तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में स्थित 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए और उसे तबाह कर दिया। 7 मई की रात चलाया गया ऑपरेशन सिंदूर भारत की कार्रवाई से बौखलाकर पाकिस्तान ने भारतीय सैन्य ठिकानों और नागरिक ठिकानों को निशाना बनाते हुए ड्रोन और मिसाइल के जरिए हमले की कोशिश की थी। हालांकि, भारतीय डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के हमलों को नाकाम कर दिया था।

**राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने आईआईटी मद्रास में ऑपरेशन सिंदूर पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की और इस ऑपरेशन में भारत को कोई नुकसान नहीं हुआ।**

# भारत के आगे नहीं चला ट्रंप का टैरिफ कॉर्ड, उल्टा अब अमेरिका पर 25% टैक्स ठोकने की तैयारी

**नई दिल्ली (एजेंसी):** भारत और अमेरिका के बीच इस वक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। इस बातचीत का अंजाम किसके पक्ष में जाएगा और क्या तय होगा। इस बात का पता तो आने वाले वक्त में चल ही जाएगा। लेकिन फिलहाल इस व्यापार समझौते को लेकर कशमकश की स्थिति स्टील और अल्यूम्यूनियम में तो खत्म हो चुकी है। भारत पहले ही कह चुका है कि स्टील और अल्युम्यूनियम पर अगर अमेरिका टैरिफ लगाता है तो भारत जवाबी कार्रवाई करेगा और भारत भी जवाबी टैरिफ लगाएगा। भारत ने फिर एक बार इस बात को दोहराया है। व्यापार समझौते पर चल रही बातचीत के बीच भारत ने वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के सामने ये स्पष्ट किया है कि अगर अमेरिका अगर भारत पर स्टील और अल्यूम्यूनियम पर टैरिफ लगाता है तो भारत भी जवाबी टैरिफ लगाएगा। मतलब अमेरिका के खिलाफ भारत का स्टैंड बिल्कुल क्लीयर है। अमेरिका अगर टैरिफ लगाएगा तो भारत भी पीछे नहीं हटने वाला है। भारत का ये कदम स्टील और अल्युम्यूनियम पर अमेरिकी शुल्कों के जवाब में है, जिन्हें सुरक्षा उपायों के तौर पर लगाया गया था। वो भी ऐसे वक्त में जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। ये समय बहुत अहम है। दोनों देश एक व्यापार

समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। कोशिश कर रहे हैं कि कोई बीच का रास्ता निकाला जाए। लेकिन स्टील और अल्युम्यूनियम पर बात बन नहीं रही है। मामला वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन तक पहुंच चुका है। स्टील और अल्युम्यूनियम पर टैरिफ लगाने के बाद भारत लगातार अपनी लड़ाई लड़ रहा है। कह रहा है कि अमेरिका की तरफ से जो स्टील और अल्यूम्यूनियम पर 10 और 25 प्रतिशत का टैरिफ लगाया गया है वो गलत है। भारत भी अब अमेरिका पर 25 प्रतिशत का टैरिफ लगा सकता है। अमेरिका ने पहली बार 12 मार्च को एल्युमीनियम, स्टील और व्युत्पन्न वस्तुओं के आयात पर 25% टैरिफ लगाया था। 3 जून को, करों को बढ़ाकर 50% कर दिया गया। विश्व व्यापार संगठन ने एक पत्र में कहा कि वस्तु व्यापार परिषद और सुरक्षा समिति को 12 मई को दी गई अपनी पूर्व अधिसूचना पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, भारत उत्पादों और टैरिफ दरों को समायोजित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। यह अनुरोध अमेरिका द्वारा टैरिफ दर को 25% यथामूल्य से बढ़ाकर 50% करने के जवाब में किया गया है। भारत के अनुरोध पर इसे विश्व व्यापार संगठन के सदस्यों के बीच प्रसारित किया गया। संचार में कहा गया है कि रियायतों या अन्य दायित्वों के प्रस्तावित निलंबन का रूप अमेरिका में उत्पादित चुनिंदा उत्पादों पर टैरिफ में वृद्धि के रूप में लिया जा सकता है। इसमें कहा गया है, सुरक्षा उपायों से भारत से आने वाले संबंधित उत्पादों का अमेरिका में 7.6 अरब डॉलर का आयात प्रभावित होगा

**भारत पहले ही कह चुका है कि स्टील और अल्युम्यूनियम पर अगर अमेरिका टैरिफ लगाता है तो भारत जवाबी कार्रवाई करेगा और भारत भी जवाबी टैरिफ लगाएगा। भारत ने फिर एक बार इस बात को दोहराया है।**

## संपादकीय

### पुनरीक्षण पर हुंकार

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की जरूरत बिहार में ही क्यों पड़ी, वह भी विधानसभा चुनाव से ठीक पहले। इसके खिलाफ विपक्ष में विरोध के स्वर तो उठने ही थे। अंतिम एसआईआर, 2003 से अब तक कई विधानसभा और लोक सभा चुनाव हो चुके हैं, क्या चुनाव आयोग को एक बार भी एसआईआर की जरूरत महसूस हुई। कोई साक्ष्य नहीं मिलता। लोक सभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर उंगली उठाते रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए 'धांधली' की गई और केंद्र की राजग सरकार इस साल के अंत में होने वाले बिहार चुनावों में भी ऐसा करना चाहती है। उन्होंने साफ कहा कि हम ऐसा नहीं होने देंगे। बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर के खिलाफ बुधवार को राज्य भर में प्रदर्शन हुए जिसके लिए राहुल सहित विपक्षी महागठबंधन के शीर्ष नेता पटना में एकत्र हुए। हालांकि बुधवार को ही मजदूर संगठनों का श्रम संहिताओं के विरोध में चक्का जाम भी था और इंडिया गठबंधन इसका समर्थन कर रहा था। लेकिन बिहार में उसने एसआईआर के खिलाफ अपनी आपत्तियां उजागर करने को अहमियत दी। आरोप है कि यह प्रक्रिया 'बड़ी संख्या में मतदाताओं को मताधिकार से वंचित' कर देगी जिससे सत्तारूढ़ राजग को लाभ होगा। राहुल ने पटना में निर्वाचन आयोग के कार्यालय तक विरोध मार्च के दौरान कहा विशेष गहन पुनरीक्षण, मतदाता सूची में हेराफेरी के 'महाराष्ट्र मॉडल' का विस्तार है, और इससे न केवल लोगों के वोट देने का अधिकार छिनेगा बल्कि उनका भविष्य भी अंधकारमय हो जाएगा। उन्होंने निर्वाचन आयोग को संविधान की रक्षा करने की नसीहत देते हुए आरोप लगाया कि वह भाजपा के निदेर्शों पर काम कर रहा है। विशेष गहन पुनरीक्षण चुनावी चोरी का एक प्रयास है। हम निर्वाचन आयोग को मतदाताओं खासकर युवाओं के अधिकार (मतदान के) छीनने नहीं देंगे। आयोग के सदस्यों की चयन प्रक्रिया से प्रधान न्यायाधीश को बाहर कर देने के बाद से इसके कामकाज पर सवाल उठ रहे हैं। आयोग इनका जवाब देने में कोई तत्परता नहीं दिखाता। भले ही वह सही रास्ते पर हो लेकिन उसका काम विपक्ष को चौंकाना और हलकाना नहीं उसकी आपत्तियों का निस्तारण करना भी है।

चिंतन-मनन

### अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है ज्ञान

बुद्धि अच्छी चीज है, पर कोरी बौद्धिकता ही सब कुछ नहीं है। इससे व्यक्ति के जीवन में नीरसता और शुष्कता आती है। ज्ञान अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है, इसलिए यह अपने साथ सरसता लाता है। ज्ञानी व्यक्तियों के लिए पुस्तकीय अध्ययन की विशेष अपेक्षा नहीं रहती। भगवान महावीर ने कब पढ़ी थीं पुस्तकेंट आचार्य भिक्षु, संत तुलसी, संत कबीर अदि जितने ज्ञानवान पुरुष हुए हैं, उनमें कोई भी पंडित नहीं थे। अंतर्दर्शन उनकी ज्ञानमयी चेतना की स्फुरणा करता था। इसके आधार पर ही उन्होंने गंभीर तत्वों का विश्लेषण किया। वे यदि पुस्तकों के आधार पर प्रतिबोध देते तो संसार को कोई नया दृष्टिकोण नहीं दे सकते थे।

एक बात और ज्ञातव्य है। विद्वान बहुत पढ़े-लिखे होते हैं, पर वे आज तक भी किसी ज्ञानी को पराजित नहीं कर सके। इंद्रभूति महापंडित थे। उनका पांडित्य विश्रुत था। पर वे भगवान महावीर की ज्ञान चेतना का अनुभव करते ही पराभूत हो गए। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। ज्ञान और बुद्धि की परस्पर कोई तुलना नहीं है। बुद्धि कुंड का पानी है और ज्ञान कुएं का पानी है। कुंड का पानी जितना है उतना ही रहता है। वर्षा होती है तो पानी थोड़ा बढ़ जाता है। इसी प्रकार अनुकूल सामग्री और पुरुषार्थ का योग होता है तो बुद्धि बढ़ जाती है। अन्यथा उसके विकास की कोई संभावना नहीं रहती। कुएं से जितना पानी निकाला जाता है, नीचे से और आता रहता है। वह कभी चुकता नहीं है, उसमें नए अनुभव जुड़ते जाते हैं।

बुद्धि आवश्यक है किंतु उसके आधार पर कभी आत्म-दर्शन नहीं हो पाता। आत्म-दर्शन का पथ है ज्ञान। ज्ञान तब तक उपलब्ध नहीं होता जब तक ध्यान का अभ्यास न हो। जिस व्यक्ति को अंतर्दृष्टि का उद्घाटन करना है, ज्ञानी बनना है, उसे प्रेक्षाध्यान साधना का आलंबन स्वीकार करना होगा। ऐसा करके वह ज्ञान की श्रेष्ठता को प्रमाणित कर सकता है।

### प्रार्थना की पुकार

यदि प्रार्थना सच्ची हो तो परमपिता परमेश्वर उस प्रार्थना को जरूर ही सुनते हैं। परमपिता परमेश्वर अत्यंत कृपालु और दयालु हैं, परंतु प्रार्थना के लिए भी हृदय का पवित्र और निर्मल होना अत्यंत आवश्यक है। मन का पवित्र होना, अहंकार और अभिमान से रहित होना नितांत आवश्यक है। ऐसे पवित्र-हृदय-अंतः करण से उत्पन्न हुए भाव ही प्रार्थना हैं। हृदय की पवित्रता का अर्थ है अपने आपको सांसारिक तुच्छ विषय-वासनाओं की आसक्तियों से मुक्त कर लेना। सब तरह की आसक्ति से रहित होना ही हृदय की पवित्रता है। किसी तपस्वी ने ठीक ही कहा है- सच्चे-वास्तविक जीवन को पाने की आकांक्षा उत्पन्न होना ही प्रार्थना है। हमारे भीतर हृदय में जिसकी खोज होगी, भीतर जिस चीज को पाने की प्यास होगी- तो, ही हम उस दिशा में जा सकेंगे। प्रार्थना होती है आत्म बोध से। आत्मबोध में ही परमार्थ की प्यास जगती है और तुच्छ स्वार्थी का परित्याग होता है।

प्रार्थना है- परिपूर्ण समर्पण, अपने अहंकार के बोझ को अपने सिर से उतार फेंकना और उसके पावन चरणों में अपना सिर झुका देना। जो प्रभु की कृपाएं और उनका अनुग्रह चाहता है उसे चाहिए कि वह किसी से भी किसी तरह का वैर-विरोध न करे। वह सत्य बोले, वह असत्य, छल-कपट, निंदा-चोरी आदि से हमेशा दूर रहे। अपनी इंद्रियों पर हमेशा संयम रखे, किसी भी प्रकार का लोलुप-लालची न हो। वह कभी अहंकार अभिमान न करे, शत्रु-द्वेष को छोडकर मन को शुद्ध पवित्र रखें। प्रार्थना की शक्ति बहुत ही अद्भुत है। वह भगवान को भक्त का उद्धार करने के लिए अवश्य ही बाध्य कर देती है, परंतु प्रार्थना सच्ची हो, हृदय से हो। भगवान ने प्रार्थना मीरा की सुनी, बुद्ध की सुनी, उन सबकी सुनी जिन्होंने परहित के लिए उन्हें याद किया। वह हर मानव मन में चल रहे भाव-कुभाव को अच्छी तरह से जानते हैं। अतः उसके समक्ष जब भी जाएं, शुद्ध भाव रखें।

**आवश्यकता है**

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

# परीक्षा प्रणाली या सामाजिक भ्रमजाल?

सोनम लववंशी

शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला कहा गया है। यह व्यक्ति के ज्ञान, विवेक, सृजनात्मकता और व्यक्तित्व विकास का माध्यम रही है। लेकिन आज की तारीख में यह उद्देश्य कहीं पीछे छूट गया है। शिक्षा अब एक ह्यअंक-उद्योगह्ल में तब्दील हो चुकी है, जहां ज्ञान की बजाय नंबर ही सफलता का पर्याय बन गए हैं। अब यह न तो चरित्र निर्माण का साधन रही, न ही सामाजिक चेतना का उपकरण। यह छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को अंक-दौड़ की एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा में धकेलने वाला शोषण तंत्र बन गई है। ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा में इस बार 45,516 छात्रों ने 95 फीसदी से ज्यादा अंक प्राप्त किए, जो कुल परीक्षार्थियों का लगभग 1.92 प्रतिशत है। वहीं 1,99,944 छात्रों ने 90 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल किए, जो 8.43 प्रतिशत के करीब है। यह कोई अपवाद नहीं है हर साल यह आंकड़ा और ऊपर जा रहा है। लेकिन जब इन अंकों की असलियत जानने के लिए उत्तर पुस्तिकाएं जांचने वाले शिक्षकों की कार्यप्रणाली और मूल्यांकन प्रणाली पर सवाल उठते हैं, तो व्यवस्था मौन हो जाती है। यह एक साजिशन खड़ा किया गया भ्रमजाल है, जो शिक्षा को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की बजाय एक कृत्रिम दौड़ में तब्दील कर रहा है।

शिक्षा के इस व्यवसायीकरण की गहराई को समझने के लिए जरूरी है कि हम उस ढांचे को देखें जिसमें यह सब संचालित हो रहा है। 2019 में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त कुल 22,030 स्कूलों में से लगभग 80 प्रतिशत स्कूल निजी क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इस आंकड़े में केवल 1,138 केंद्रीय विद्यालय, 2,727 सरकारी स्कूल, 598 नवोदय विद्यालय और 14 तिब्बती स्कूल शामिल हैं, जबकि शेष 17,553 निजी स्कूल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा का एक बड़ा हिस्सा निजीकरण के दबाव में है, जहां शिक्षा की गुणवत्ता नहीं, बल्कि परिणामों की संख्या मायने रखती है और जब यही ह्यअंकवीरह्ल छात्र राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, जेईई या नीट में पहुंचते हैं, तो उनकी वास्तविक योग्यता सामने आ जाती है। उदाहरण के लिए, यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2019 में लगभग 11.35 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से मात्र 11,474 छात्र ही मुख्य परीक्षा तक पहुंच सके। यही हाल साल 2024 का रहा। इस वर्ष लगभग 13.4 लाख छात्रों में से सिर्फ 14,627 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा तक पहुंचे। यानि बोर्ड परीक्षा के हाई स्कोरर प्रीलिम्स की पहली कसौटी पर ही फेल हो जाते हैं। यह दशार्ता है कि बोर्ड परीक्षाओं में मिलने वाले ऊंचे अंक असल में बौद्धिक क्षमता या विषय की समझ का पैमाना नहीं हैं। यह मूल्यांकन प्रणाली रटंत विद्या, तयशुदा उत्तरों और सजावटी भाषा पर आधारित है, जिसमें मौलिक सोच और विश्लेषण की कोई जगह नहीं।

यह समस्या केवल स्कूली शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिकता पूरे उत्तर भारत के शैक्षणिक वातावरण में व्याप्त है। स्कूलों में अब शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान देना नहीं, बल्कि अच्छे परिणामों के जरिए स्कूल का नाम रौशन करना बन गया है। इसके उलट, दक्षिण भारत की तस्वीर अपेक्षाकृत बेहतर है। वहां के माता-पिता शिक्षा को केवल अंक पाने के माध्यम के रूप में नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास और कौशल निर्माण के रूप में देखते हैं। यही कारण है कि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक जैसे राज्यों के छात्र राष्ट्रीय परीक्षाओं में निरंतर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। वहां की शिक्षा प्रणाली में केवल परीक्षाफल नहीं, बल्कि सोचने-समझने की क्षमता, व्यवहारिकता और नवाचार को भी महत्व दिया जाता है। उत्तर भारत के अधिकतर स्कूलों में शिक्षण अब गाइडबुक, मॉडल पेपर और स्मार्ट आंसर पर आधारित हो गया है। शिक्षक भी केवल परिणाम उन्मुख होकर पढ़ाते हैं, क्योंकि उनके मूल्यांकन का आधार भी अब बच्चों के अंक बन गए हैं। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम बच्चों की मानसिक स्थिति पर पड़ता है। नंबर की होड़ में बच्चों में अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति, हीन भावना और मानसिक तनाव बढ़ रहा है। शिक्षा अब ज्ञान प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि एक दौड़ बन गई है, जिसमें सबसे तेज दौड़ने वाला ही विजेता माना जाता है। यहां तक की कोचिंग टाउन बन चुके शहर कोटा, दिल्ली, पटना, प्रयागराज और इंदौर इस अंक-उद्योग की सबसे बड़ी मिसाल हैं। यहां छोटे-छोटे बच्चों से लेकर स्नातक विद्यार्थी तक ह्यरैंक मशीनह्ल बनने के लिए दिन-रात खप रहे हैं। यह एक सामाजिक दबाव का परिणाम है, जो विशेष रूप से उत्तर भारत में डॉक्टर-इंजीनियर बनने की लीक पर चलता है। वहीं दक्षिण भारत में शिक्षा के विविध विकल्पों, व्यावसायिक दक्षता और कौशल विकास को भी उतना ही महत्व मिलता है। यह सोच का फर्क है, जो वहां के छात्रों को तकनीकी और प्रशासनिक क्षेत्रों में मजबूत बनाता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस अंक-उद्योग की सबसे खतरनाक बात यह है कि यह छात्रों के भीतर सोचने, सवाल उठाने और नवाचार की प्रवृत्ति को कुचल देता है। शिक्षा का उद्देश्य विवेक, तर्क और संदेह की भावना का विकास था, पर अब यह केवल स्मृति और दोहराव पर आधारित हो गया है। मीडिया में टॉपर बच्चों के साक्षात्कार इस मानसिकता को और पुष्ट करते हैं, जहां दिन में 16 घंटे पढ़ना, दस साल के पेपर रटना और कई-कई किताबें घोंटना ही सफलता का मंत्र बताया जाता है। यह विचारणीय है कि क्या वास्तव में यही शिक्षा है?

इस समस्या का समाधान केवल परीक्षा प्रणाली बदल देने से नहीं होगा। जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक शिक्षा का यह विकृत रूप बना रहेगा। जब तक अभिभावक अंक को ही सफलता की कसौटी मानते रहेंगे, स्कूलों और शिक्षकों की प्राथमिकता भी वहीं रहेगी। जरूरत है एक नई शैक्षणिक संस्कृति की जहां असफलता को अवसर माना जाए, बच्चों की विविधता को अपनाया जाए और उन्हें आत्मविश्लेषण और आत्म-अनुशासन के मार्ग पर प्रेरित किया जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस दिशा में कुछ सकारात्मक पहलें की हैं, परंतु इन्हें जमीन पर लागू करना एक लंबी और कठिन प्रक्रिया है। अब समय है कि हम स्कूलों को रैंक उत्पादक मशीनों से बाहर निकालें। अभिभावकों को समझना होगा कि उनका बच्चा कोई अंकों का रिपोर्ट कार्ड नहीं, बल्कि एक सोचने, समझने और विकसित होने वाली मनुष्य-प्रवृत्ति है।

# धर्मांतरण का धंधा: विदेशी फंडिंग और सामाजिक विघटन का षड्यंत्र

डॉ. सत्यवान सौरभ

उत्तर प्रदेश में एटीएस ने एक बड़े धर्मांतरण रैकेट का खुलासा किया है, जिसमें विदेशी फंडिंग के जरिए करीब 100 करोड़ रुपये 40 खातों में भेजे गए। मुख्य आरोपी 'छांगरू बाबा' उर्फ जमशेदुद्दीन के नेतृत्व में यह गिरोह ऊंची जाति की लड़कियों के लिए 15-16 लाख रुपये की दर से धर्मांतरण कराता था। यह मामला केवल आस्था नहीं, बल्कि एक सुनियोजित सामाजिक षड्यंत्र है जो जाति, धर्म और लिंग के आधार पर राष्ट्र की एकता को तोड़ने का प्रयास करता है। इसे धार्मिक स्वतंत्रता नहीं, संगठित अपराध के रूप में देखा जाना चाहिए।

धर्म किसी भी समाज की आत्मा होता है, लेकिन जब धर्म का प्रयोग धंधे में बदल जाए तो सवाल सिर्फ आस्था का नहीं, राष्ट्र की सुरक्षा, सामाजिक समरसता और नैतिक मूल्यों का हो जाता है। उत्तर प्रदेश में एटीएस द्वारा उजागर किए गए एक बड़े धर्मांतरण रैकेट ने यही भयावह सच्चाई हमारे सामने रखी है। कथित रूप से छांगरू बाबा उर्फ जमशेदुद्दीन के नेतृत्व में यह गिरोह न केवल भोले-भाले लोगों का धर्मांतरण कर रहा था, बल्कि इसके पीछे एक व्यवस्थित नेटवर्क, विदेशी फंडिंग और जातिगत लक्ष्य निर्धारण भी शामिल था।

जिस प्रकार से इस रैकेट की कार्यप्रणाली सामने आई है, वह धर्मांतरण को एक सुनियोजित व्यवसाय के रूप में प्रकट करती है। यह कोई व्यक्तिगत आस्था का निर्णय नहीं, बल्कि विदेशी पैसों से संचालित एक मिशन था - जिसमें धर्म, जाति, स्त्री और समाज को एक वस्तु की तरह देखा गया। एफआईआर और जांच रिपोर्ट के अनुसार, धर्मांतरण के लिए बाकायदा रेट कार्ड था। ऊंची जाति की लड़कियों के लिए धर्मांतरण की दर 15-16 लाख रुपये तक थी, जबकि अन्य लड़कियों के लिए 8-10 लाख रुपये। सोचिए, जब धर्म को भी जाति और लिंग के आधार पर मूल्यांकित किया जाने लगे, तो वह किस स्तर तक गिरावट का प्रतीक बनता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस रैकेट के पास 40 बैंक खाते थे जिनमें विदेशों से 100 करोड़ रुपये से अधिक की रकम भेजी गई। यह रकम किसके इशारे पर भेजी गई, किन उद्देश्यों के लिए, और किन देशों से ह्न यह सवाल सिर्फ जांच एजेंसियों के नहीं, पूरे देश के हैं। क्या यह केवल धर्मांतरण के लिए था या इसके पीछे कोई और बड़ा वैश्विक, राजनीतिक या वैचारिक षड्यंत्र भी छिपा है?

इस रैकेट की कार्यशैली में सोशल मीडिया का जबरदस्त उपयोग किया गया। वीडियो, मोटिवेशनल भाषण, 'इस्लाम कबूल करने से मिली राहत' जैसे फर्जी वीडियो वायरल कर कमजोर तबकों को बरगलाया गया। पहले मानसिक रूप से प्रभावित किया गया, फिर आर्थिक लालच दिया गया और अंत में जबरन धर्मांतरण। यह साइकोलॉजिकल वॉरफेयर जैसा है ह्न जहां पहले मस्तिष्क जीता जाता है, फिर शरीर। और सबसे दुखद यह कि इसे धर्म का नाम दिया गया।

इस प्रकरण में बलरामपुर जिले के एक पूरे परिवार के धर्मांतरण की पुष्टि हुई है। वहां महिलाओं और बच्चों को टारगेट कर उन्हें धर्म बदलने के लिए मजबूर किया गया। यह कोई एक अपवाद नहीं, बल्कि उसी पैटर्न का हिस्सा है ह्न जिसमें ग्रामीण, अशिक्षित और आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों को निशाना बनाया जाता है। यह सामाजिक असमानता का शोषण है। जब राज्य, समाज और प्रशासन इन परिवारों की रक्षा नहीं कर पाते, तो ऐसे गिरोह अपना मकड़जाल फैलाते हैं। इस रैकेट का सबसे खतरनाक पहलू था - जातिगत दर निर्धारण। ऊंची जाति की लड़कियों के धर्मांतरण के लिए अधिक पैसा दिया जाता था। इसका मतलब है कि धर्मांतरण सिर्फ धर्म का नहीं, जाति-सामाजिक संरचना को तोड़ने का औजार भी बन चुका है। यह न केवल हिंदू समाज को कमजोर करने की चाल है, बल्कि राष्ट्र को आंतरिक रूप से विखंडित करने की भी रणनीति है।

इस मामले पर तथाकथित सेक्युलर बुद्धिजीवी वर्ग चुप है। वही वर्ग जो 'धर्मनिरपेक्षता' की दुहाई देता है, 'संविधान की आत्मा' की बात करता है, आज गूंगा बना बैठा है। क्यों? क्या धर्मांतरण को भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मान लिया गया है? क्या किसी गरीब, दलित, महिला या आदिवासी का जबरन धर्म बदलवाना मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं है? अगर किसी दलित के मंदिर में प्रवेश करने से किसी को आपत्ति है, तो उस पर शोर मचता है, लेकिन जब उसी दलित को पैसों से धर्म बदलवाया जाता है तो कोई नहीं बोलता। यह मौन स्वयं एक अपराध है।

यह भी गौरतलब है कि ऐसे मामलों पर राजनीतिक दल अक्सर वोट बैंक की राजनीति के कारण खुलकर प्रतिक्रिया नहीं देते। अल्पसंख्यकों की 'संवेदनशीलता' के नाम पर ऐसे राष्ट्रघातक कृत्यों को नजरअंदाज किया जाता है। सवाल यह है कि क्या देश की अखंडता और सामाजिक समरसता वोट बैंक से भी छोटी हो गई है? अगर कोई हिंदू संगठन धर्मांतरण रोकने की बात करता है तो उसे कट्टरपंथी कह दिया जाता है, लेकिन जब धर्मांतरण के नाम पर विदेशी पैसा आकर समाज को तोड़ता है, तो सब चुप हो जाते हैं।

यह मामला अकेला नहीं है। देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे गिरोह सक्रिय हैं जो सामाजिक दुर्बलता, आर्थिक मजबूरी और शिक्षा की कमी का लाभ उठाकर धर्मांतरण करा रहे हैं। इससे निपटने के लिए धर्मांतरण विरोधी कानूनों को और मजबूत बनाना चाहिए। विदेशी फंडिंग की निगरानी के लिए डिजिटल ट्रैकिंग तंत्र को सशक्त करना चाहिए। प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग की व्यवस्था होनी चाहिए। शिक्षा और रोजगार के माध्यम से समाज को आत्मनिर्भर और सजग बनाना जरूरी है।

धर्म आत्मा का विषय है, उसे सौदेबाजी का औजार बनाना न केवल अपराध है, बल्कि मानवता का भी अपमान है। धर्मांतरण जब व्यक्तिगत चेतना से नहीं, लालच, भय या फरेब से होता है, तो वह धर्म नहीं, शोषण होता है। हमारे लिए जरूरी है कि हम धर्मांतरण की आड़ में चल रहे इन संगठित अपराधों को पहचानें, उनका विरोध करें और समाज को ऐसी गतिविधियों से बचाने के लिए संगठित प्रयास करें। धर्म को न बेचे, न खरीदें ह्न बल्कि समझें, आत्मसात करें और उसकी गरिमा को बचाए रखें।

(स्वतंत्र पत्रकार व स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# बिहार चुनावों में महिलाओं पर दांव के निहितार्थ

बिहार में इस साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव आयोग ने अभी तक मतदान की तारीखों की घोषणा नहीं की है, लेकिन राज्य में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। विभिन्न राजनीतिक दल लुभावनी घोषणाएं कर रहे हैं, नये-नये मुद्दों को उछाला जा रहा है। गोपाल खेमका हत्याकांड हो या तंत्र मंत्र के चलते एक ही परिवार के पांच लोगों को जला देने की त्रासद घटना- नीतीश कुमार पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान पर संदेह के सवालों के साथ मुखर विपक्षी दल इसके खिलाफ राजनीतिक लड़ाई के साथ ही कानून विकल्पों पर भी गंभीरता से विचार कर रहे हैं। इस बीच, एनडीए की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने एनडीए से दूरी बनाते हुए बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का संकेत देकर सियासी परिदृश्य को दिलचस्प बना दिया है। इन्हीं परिदृश्यों के बीच बिहार सरकार ने सरकारी नौकरियों में स्थानीय महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के फैसला लेकर चुनावी सरगर्मियों को एक नया मोड़ दे दिया है। बिहार सरकार का यह निर्णय केवल एक चुनावी रणनीति भर नहीं, बल्कि एक गहरे सामाजिक परिवर्तन का संकेतक भी है। तय है कि इस बार के बिहार चुनाव के काफी दिलचस्प एवं हंगामेदार होंगे।

सरकारी नौकरियों में स्थानीय महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण के गहरे निहितार्थ हैं। एनडीए की नीतिश सरकार ने स्थानीय महिलाओं को प्राथमिकता देने एवं उनके लिए सरकारी रोजगार उपलब्ध कराने के इस ब्रह्मास्त्र को दाग कर चुनावी समीकरण अपने पक्ष में कर लिये हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसे 'महिला सशक्तिकरण का राजनीतिक समाधान' बताया, क्योंकि राज्य की महिलाएँ कई चुनावों में निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। पिछली लोकसभा चुनाव में महिलाओं की मतदान दर पुरुषों से कहीं अधिक रही, 59.45 प्रतिशत महिलाओं ने हिस्सा लिया जबकि पुरुष केवल 53 प्रतिशत मतदान करने पहुंचे। यह आंकड़ा दिखाता है कि चुनावी जीत में महिला मतदाता कितनी निर्णायक हो सकते हैं, साफ है, सत्ता की चाबी वहां महिलाओं ने अपने हाथों में ले ली है और वे धार्मिक व जातिगत आग्रहों से अधिक लैंगिक हितों से प्रेरित हैं। बिहार उन शुरूआती राज्यों में एक है, जिसने पंचायत और स्थानीय निकायों में आधी आबादी के लिए पचास फीसदी सीटें आरक्षित की हैं। इस कदम ने यहां की स्त्रियों में जबर्दस्त राजनीतिक जागरूकता पैदा की है। चुनावों की दशा एवं दिशा बदलने में महत्वपूर्ण एवं निर्णायक किरदार निभाने के कारण ही हरेक राजनीतिक दल महिला वर्ग को आकर्षित करने में जुट गया है। राजद-कांग्रेस-वाम दलों का महागठबंधन 'माई-बहिन मान योजना' के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 2,500 रुपये देने का वायदा कर चुका है, तो राजद नेता तेजस्वी यादव बेरोजगारी और डोमिसाइल के मुद्दे को जोर-शोर से उठा रहे हैं। ऐसे में, नीतीश सरकार के इस नीतिगत दांव को समझा जा सकता है। जातिगत और स्थानीय समीकरण भुनाने के लिए निश्चित ही यह एक संगठित चाल है, जहां जाति और आवासीयता दोनों को आधार बनाया गया।

यह सर्वविदित तथ्य है कि भारत में शैक्षिक क्षेत्र में लैंगिक खाई लगातार सिमट रही है। बिहार की बेटियां देश के अनेक महानगरों में अपनी योग्यता और मेहनत के दम पर पहचान बना चुकी हैं। सूचना क्रांति, बढ़ती अपेक्षाओं और सामंती बंधनों के ढीले पड़ते जाने के कारण अब ग्रामीण बिहार की बेटियां भी ऊंचे सपने संजो रही हैं। हाल ही में बिहार में शिक्षकों की नियुक्ति के दौरान यह देखा गया कि देश के विभिन्न प्रदेशों की योग्य लड़कियां इंटरव्यू देने आईं, जिनमें से अनेक ने सफलता प्राप्त की और अब बिहार के सरकारी स्कूलों में अध्यापन कर रही हैं। निस्संदेह, यह एक सैद्धांतिक रूप से प्रगतिशील और समावेशी समाज का प्रतीक है, जहाँ महिलाएं सीमाओं से परे जाकर अपनी पहचान बना रही हैं। लेकिन व्यावहारिक धरातल पर देखें, तो महिला सुरक्षा, सामाजिक असमानता, आवास व पारिवारिक बाधाएं, और प्रवास की मजबूरियाँ अब भी मौजूद हैं। ऐसे में यदि सरकारें योग्य महिलाओं को उनके घर के आस-पास ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएं, तो यह न केवल महिला सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक कदम होगा, बल्कि सामाजिक संरचना में स्थिरता और पारिवारिक सहूलियत का भी कारण बनेगा। यही कारण है कि नीतीश कुमार सरकार महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए एक के बाद एक योजनाएं ला रही है। साइकिल योजना, पोशाक योजना, कन्या उत्थान योजना, वृद्धावस्था पेंशन में वृद्धि, पिंक टॉयलेट, महिला पुलिस भर्ती में आरक्षण जैसे कई कदम इस सिलसिले में पहले ही उठाए जा चुके हैं। यह मान्यता कि बेटियां अब सिर्फ अपने घरों की शोभा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की भागीदार हैं, नीति निर्माण में स्पष्ट झलकने लगा है। यह न केवल बिहार की महिलाओं को उनके अधिकार का अनुभव कराएगा, बल्कि बेरोजगारी से जूझते प्रदेश में स्थानीय प्रतिभा के पलायन को भी रोकेगा। इस फैसले से खास तौर पर निम्न और मध्यमवर्गीय महिलाओं को फायदा होगा, जिनके लिए दूसरे शहरों में जाकर नौकरी करना एक बड़ा पारिवारिक और सामाजिक संकट बन जाता है। घर के पास नौकरी मिलने से न केवल सुरक्षा की भावना बढ़ेगी, बल्कि समाज में महिलाओं की स्थायी उपस्थिति और भूमिका भी मजबूत होगी।

हालांकि इस फैसले को लेकर विपक्षी दलों की मिश्रित प्रतिक्रिया सामने आई है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने इसे नीतीश कुमार की चुनावी चाल बताया है और आरोप लगाया है कि सरकार महिलाओं की वास्तविक समस्याओं को दूर नहीं कर पा रही, बल्कि सिर्फ भावनात्मक मुद्दों को उछालकर वोट बटोरने की कोशिश कर रही है। तेजस्वी यादव का कहना है कि 'महिला आरक्षण सही है, लेकिन रोजगार के अवसर कब हैं? सरकारी नियुक्तियों की प्रक्रिया वर्षों से लटकी रहती है, परीक्षा की तारीखें टलती हैं, नियुक्ति पत्र देर से आते हैं, ऐसे में आरक्षण का लाभ कब और किसे मिलेगा?' उनकी बातों में सच्चाई भी है, क्योंकि प्रक्रियाओं की पारदर्शिता और समयबद्धता भी उतनी ही आवश्यक है जितनी आरक्षण की नीति। यह महिला आरक्षण अब केवल बिहार के स्थायी निवासियों अर्थात डोमिसाइल महिलाओं के लिए ही होगा। यानी जो महिलाएं राज्य की स्थायी निवासी नहीं हैं, उन्हें इस आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा-उन्हें सामान्य श्रेणी में आवेदन करना होगा। इसलिये इसे केवल घरेलू हितों को साधने वाला प्रत्यक्ष प्रचार माना जा रहा है, जिसमें गैर-स्थायी निवासियों को अवसरों से वंचित किया जा रहा है। विपक्ष इस कदम को डोमिसाइल नीति के अनुरूप बताते हुए सवाल उठा रहा है कि क्या इससे सामाजिक न्याय और समान अवसर की भावना नहीं बिगड़ जाएगी?

बिहार में बेरोजगारी चुनावी चर्चा का मुख्य मुद्दा है। युवा खासकर उच्चशिक्षित वर्ग नौकरी की तलाश में है। 35 प्रतिशत आरक्षण के साथ-साथ सरकार ने वेकेंसी क्रिएशन, युवा आयोग गठन, कृषि व सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च जैसे उपाय किए है। 2025 के बिहार चुनाव बहुआयामी लड़ाई से परिपूर्ण है, जातिगत समीकरण, युवा और ग्रामीण विकास, मतदाता सूची संशोधन जैसे मुद्दों ने चुनावी माहौल को गहराई दी है। सरकार ने पिछले बजट में 'महिला हाट', 'पिंक बस', 'पिंक टॉयलेट', स्कूल जाने वाली लड़कियों के लिए साइकिल योजनाएं, दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए 'संबल' वित्तीय सहायता जैसी महिलाओं को लुभाने वाली योजनाओं के प्रावधान किये हैं। नीतीश सरकार ने चुनावों को देखते हुए सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत मिलने वाली राशि में भारी बढ़ोतरी की घोषणा की है। अब वृद्ध, दिव्यांग और विधवा महिलाओं को प्रतिमाह 400 रुपए की बजाय 1100 रुपए पेंशन मिलेगी। इस घोषणा के बाद पूरे बिहार में पेंशन के 1 करोड़ 9 लाख 69 हजार लाभार्थियों में हर्ष का माहौल दिखाई दे रहा है। यह कहना उचित होगा कि बिहार की राजनीति इस बार स्थानीयता, जातिगत समीकरण और सामाजिक कल्याण के मिश्रित आरोपणों के बीच गंभीर मुठभेड़ के दौर से गुजर रही है। चुनाव नतीजे यह तय करेंगे कि क्या यह रणनीतियाँ सचमुच सतत परिवर्तन की ठोस बुनियाद रखेंगी, या चुनावी भाषण के बाद हवा में खो जाएँगी। नवीनतम ओपिनियन पोल बताते हैं कि एनडीए फिर सत्ता में लौट सकता है, खासकर महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के बीच मजबूत समर्थन के चलते। वहीं, महागठबंधन (आरजेडी, कांग्रेस, अन्य) जातीय समीकरण (ईबीसी-ओबीसी) का आधार लेकर मुकाबले में है।

# जे.एस. हिन्दू इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. जी.पी. सिंह शिक्षा के क्षेत्र में कर रहे हैं उल्लेखनीय कार्य

**अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:-** शहर के जे.एस. हिन्दू इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. जी.पी. सिंह शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अनूठी पहल और समर्पण के कारण शुर्खियों में हैं। उनकी दूरदर्शी सोच और नवाचारों ने न केवल कॉलेज की शैक्षिक गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, बल्कि छात्रों और शिक्षकों के बीच एक प्रेरणादायक और सौहार्दपूर्ण माहौल भी बनाया है। डॉ.जी.पी. सिंह का मानना है कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह छात्रों के सर्वांगीण विकास का आधार होनी चाहिए। जे.एस. हिन्दू इंटर कॉलेज, जो कि 1912 में स्थापित किया गया था। 1939 में हाई स्कूल और साहू जगदीश सरन द्वारा 1945 में इण्टर की मान्यता के साथ संचालित है, आज यह अमरोहा का एक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान है। डॉ. जी.पी. सिंह के नेतृत्व में यह कॉलेज आज शैक्षिक उत्कृष्टता का प्रतीक बन गया है। उन्होंने अपने कार्यकाल में कई नवाचार लागू किए हैं, जिनमें डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास, और नैतिक मूल्यों पर आधारित शिक्षण पद्धति शामिल हैं। डॉ. सिंह ने कॉलेज में दो स्मार्ट क्लासरूम तथा एक बड़ी कंप्यूटर लैब की स्थापना की है, जिसके माध्यम से छात्रों को आधुनिक तकनीक के साथ शिक्षा प्रदान की जा रही है। यह सुविधा विशेष रूप से ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों के लिए वरदान साबित हुई है, जो अब वैश्विक स्तर की शिक्षा तक पहुंच बना पा रहे हैं। डॉ. जी.पी.सिंह ने छात्र छात्राओं के लिए कई सह-शैक्षिक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया है। उनके नेतृत्व में कॉलेज में विभिन्न प्रतियोगितायें, विज्ञान प्रदर्शनियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम,

और खेलकूद प्रतियोगिताएं नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। ये गतिविधियां छात्र छात्राओं में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने में मदद करती हैं। इसके अलावा, उन्होंने कॉलेज में कैरियर काउंसलिंग और मार्गदर्शन सत्र शुरू किए हैं, ताकि छात्र अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार भविष्य का चयन कर सकें। विद्यालय में सभी विषयों के अनुभवी शिक्षक आपके निर्देशन में बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। डॉ.जी.पी. सिंह का विशेष ध्यान उन छात्रों पर है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं। उन्होंने कॉलेज में मेधावी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति कार्यक्रम शुरू किया है, जिसके तहत जरूरतमंद छात्रों को मुफ्त किताबें, यूनिफॉर्म, और अन्य शैक्षिक सामग्री प्रदान की जाती है। जूनियर कक्षाओं में अध्ययन रत छात्र छात्राओं को तो सरकार द्वारा सभी सुविधायें मुफ्त प्रदान की जाती हैं। इसके साथ ही, उन्होंने शिक्षकों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागिता की प्राथमिकता दिखाई है, ताकि वे नवीनतम शिक्षण तकनीकों से परिचित हो सकें और छात्र छात्राओं को बेहतर ढंग से पढ़ा सकें। विद्यालय भवन बहुत ही आकर्षक, हरा भरा, साफ सुथरा है, छात्र छात्राओं की पढ़ाई के अतिरिक्त शिक्षा के माहौल को बेहतर बनाने के लिए सारी सुख सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। विद्यालय प्रबंध तंत्र छात्र छात्राओं के हित और विद्यालय को बुलंदियों तक पहुंचाने के लिए डॉ0 जी0 पी0 सिंह के साथ पूर्णतया सकारात्मक सहयोग बनाये हुए हैं। उनके साथ हैं। डॉ. जी.पी. सिंह का यह प्रयास कि शिक्षा को केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम न बनाकर, जीवन को बेहतर बनाने का जरिया बनाया जाए, वास्तव में सराहनीय है। उनके नेतृत्व में जे.एस. हिन्दू इंटर कॉलेज न केवल अमरोहा, बल्कि पूरे क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में एक मिसाल बन रहा है। स्थानीय समुदाय और अभिभावकों ने भी उनके इन प्रयासों की खुलकर प्रशंसा की है। डॉ. सिंह का कहना है, शिक्षा वह शक्ति है जो समाज को बदल सकती है, और हमारा लक्ष्य प्रत्येक छात्र छात्रा को आत्मनिर्भर और जिम्मेदार नागरिक बनाना है। उनके इन प्रयासों से यह स्पष्ट है कि डॉ. जी.पी. सिंह न केवल एक शिक्षाविद् हैं, बल्कि एक समाज सुधारक भी हैं, जो शिक्षा के माध्यम से एक उज्जवल भविष्य की नींव रख रहे हैं।

## विश्व जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा रैली को हरी झण्डी दिखाकर किया गया रवाना

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिलें में विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ब्लाक अमरोहा से मा० नगर पालिका अध्यक्ष शशी जैन एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० सत्यपाल सिंह जी द्वारा विश्व जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। रैली में परिवार नियोजन सेवाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु सारथी वाहन का भी संचालन किया गया जिससे जनमानस को परिवार नियोजन सेवाओं से जोड़ा जा सके साथ ही सभी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सास-बेटा-बहु सम्मेलन का भी आयोजन कराया जावेगा जिससे सास-बेटा-बहु मे आपसी समन्वय स्थापित किया जा सके। विश्व जनसंख्या स्थिरता पखवाडे के आयोजन के अवसर पर समस्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा अधीक्षक अमरोहा, समस्त जनपद स्तरीय कार्यक्रम प्रबन्धक व कार्यक्रम समन्वयक, यू०पी०टी०एस०यू० के प्रतिनिधि के साथ साथ ब्लाक कार्यकम प्रबन्धन इकाई अमरोहा तथा समस्त क्षेत्रीय आशाओं द्वारा उपस्थित रहकर सहयोग किया गया।

## डीएम ने किया कांवड़ मार्ग का निरीक्षण, जलभराव की समस्या को दूर करने के दिए निर्देश

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कांवड़ यात्रा को सकुशल और सुगम बनाने के दृष्टिगत मौके पर जाकर कांवड़ मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने बिजनौर रोड स्थित किशनगढ़, याहयापुर और बीलना में सड़क किनारे हो रही जलभराव की समस्या को तत्काल दूर करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को देते हुए कहा कि सुनिश्चित किया जाए कि दुबारा जलभराव की स्थिति न बने। उन्होंने याहयापुर और बीलना में पेयजल की लीकेज पाइपलाइन को दुरुस्त कराने के निर्देश जल निगम के अधिकारी को दिए। डीएम ने इसके साथ निर्देश दिए कि जो तैयारियां बची है उसको आज पूर्ण कर लिया जाए ताकि श्रद्धालुओं को यात्रा में किसी तरह की असुविधा न हो। उन्होंने जिला पंचायत को प्रकाश व्यवस्था सुदृढ़ करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि मार्ग पर नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए और स्वच्छता बनाए रखें। कहा कि श्रद्धालुओं को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी नौगांवा सादात श्रीमती सुनीता, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, जिला पंचायत और नगर पालिका परिषद के अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

## जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला पोषण समिति की बैठक

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पोषण अभियान के अन्तर्गत गठित जिला पोषण समिति बैठक आहूत की गई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा पोषण अभियान के निर्धारित बिंदुओं पर समीक्षा की गई। डीएम ने 15 जुलाई से शुरू होने वाले संभव अभियान के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य कुपोषित और कम हाइट वाले बच्चों को चिन्हित कर उनकी डाइट में सभी पोषक तत्व देते हुए उनको कुपोषित की श्रेणी से बाहर निकलना है। उन्होंने कहा कि यह कार्य देश और प्रदेश के विकास के लिए बहुत जरूरी है। कोई भी बच्चा कुपोषित रहकर पीछे न रह जाए इसलिए ये अभियान शुरू किया गया है। जिससे सभी कुपोषित बच्चे स्वस्थ होकर एक अच्छा जीवन जीते हुए देश की प्रगति में योगदान दे सके। उन्होंने अभियान के अन्तर्गत 100 ग्राम पंचायतों के नोडल अधिकारी नामित करते हुये सही से वजन तथा लम्बाई नापने हेतु निर्देशित किया ताकि नाटेपन एवं लो बर्थ वेट रेट में कमी लाई जा सके। निधि गुप्ता वत्स ने आंगनबाड़ी कार्यकत्री को सैम एवं मैम बच्चों के यहां आशा, ए०एन०एम० के साथ नियमित ग्रह भ्रमण करने के निर्देश दिए। चिन्हित कुपोषित बच्चों को स्वस्थ करने के उद्देश्य से गाय सुपुर्द की जाए तथा गाय के भरण पोषण हेतु शासन से निर्धारित धनराशि उपलब्ध कराई जायें। समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निमार्णाधीन आंगनबाड़ी केन्द्रों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी आंगनबाडी कार्यकत्री घर-घर जाकर शत-प्रतिशत होम विजिट सुनिश्चित करें। धनौरा, गजरौला और गंगेश्वरी ब्लॉक में मैम बच्चों की संख्या अधिक होने पर नाराजगी जताते हुए संबंधित सीडीपीओ को निर्देश दिए कि कारणों को चिन्हित कर दूर करते हुए सुधार लाया जाए। जिलाधिकारी द्वारा फोटो कैप्चर, ई०के० वाई०सी० प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, भवन निर्माण तथा शासन से संचालित समस्त योजनाओं की समीक्षा की गयी तथा निर्देशित किया गया कि फैस कैप्चर तथा ई०के० वाई०सी० का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण करायें। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सत्यपाल सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी संजीव सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी उपस्थित रहें।

## कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अमरोहा पुलिस अधीक्षक ने किया मार्गों का निरीक्षण

**धनौरा/अमरोहा(सब का सपना) कविन्द्र सिंह:-** पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मार्गो का निरीक्षण किया साथ ही उनकी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए अपनी जिम्मेदारियों पूरी सतर्कता के साथ निभाने के आदेश दिए। बता दें कि पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने शुक्रवार को सावन माह कावड़ यात्रा को लेकर क्षेत्र में कांवड़ रूट का निरीक्षण कर कांवड़ियों के सुगम आवागमन एवं यातायात की समुचित व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यातायात व्यवस्था, ट्रैफिक डायवर्जन, सुरक्षा व्यवस्था एवं समुचित प्रबंधों का जायजा. लिया। कांवड़ यात्रा मार्गों पर व्यवस्था में जो कमियां पाई गई उसे तत्काल सम्बन्धित अधिकारियों से समन्वय बनाते हुए समय से पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। यायायात डायवर्जन के उपरान्त ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त रखने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया। पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया कि सीसीटीवी कैमरों से सतर्क दृष्टि रखते हुए निगरानी करें तथा कोई भी संदिग्ध व्यक्ति दिखाई देने पर तत्काल अपने उच्चाधिकारियों को अवगत करायें। उन्होंने कहा कि किसी भी कांवड़ यात्री की तबीयत खराब होती है तो तत्काल इसका संज्ञान लेकर अतिशीघ्र सहायता उपलब्ध करायी जाएं। कांवडियों की सुरक्षा, कानून व्यवस्था संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश निर्गत किए। सीओ अंजली कटारिया, प्रभारी निरीक्षक अखिलेश प्रधान को कांवडियों के जाने के मार्ग पर विशेष सर्तकता एवं निगरानी तथा ड्यूटी प्रभावी किये जाने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

## गजरौला के कोशिन्द्र ने सीएम योगी की दीघार्यु की कामना मन लेकर की यात्रा आरंभ

### बृजघाट से लखनऊ तक साईकिल पर कावड़ लेकर की यात्रा शुरूआत

**गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:-** गजरौला ब्लाक के गांव शाहपुर तिगरी निवासी कौशेंद्र यादव प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दीघार्यु के लिए तीर्थनगरी बृजघाट से लखनऊ तक साइकिल से कांवड़ यात्रा पर निकले हैं। बता दें कि गांव शाहपुर तिगरी निवासी भाजपा कार्यकर्ता कौशेंद्र यादव शुक्रवार की तड़के तीर्थनगरी बृजघाट पहुंचे। उन्होंने वहां से जल लेकर साईकिल से लखनऊ के लिए प्रस्थान किया। चौपला चौराहे पर पहुंचे तो वहां पहले से ही मौजूद भाजपा नेता, आसाराम वेलफेयर सोसाइटी के संस्थापक अध्यक्ष, समाजसेवी विचित्र भाटी ने उनका फूला माला पहनाकर अभिनंदन किया। कौशेंद्र का स्वागत करने के लिए कई अन्य युवक भी आ गए। सभी ने कौशेंद्र यादव की हौसला अफजाई की। कौशेंद्र यादव ने बताया कि बृजघाट से लखनऊ तक का लगभग साढ़े चार सौ किलोमीटर का सफर वह आठ-दस दिन में पूरा कर लेंगे। लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करने के उपरांत वहीं किसी बड़े मंदिर में जलाभिषेक करेंगे। वहीं समाजसेवी विचित्र भाटी ने मार्ग में खर्च के लिए कौशेंद्र यादव को सहायता राशि भी प्रदान की। इस मौके पर बजरंग दल के कुशल चौधरी भी अपनी टीम के संग मौजूद रहे।

## बाल श्रम को रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिले के विकास खण्ड गजरौला की ब्लॉक प्रमुख मीनाक्षी चौधरी की अध्यक्षता में विकासखंड के सभागार में क्षेत्र पंचायत की बैठक का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला जिसमे योजना की बढ़ाई गई धनराशि के बारे मे एवं स्पॉन्सरशिप योजना, निराश्रित पेंशन योजना एवं वन स्टाप सेंटर तथा चाइल्ड हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली एवं वहां प्राप्त होने वाली सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ में 18 वर्ष से कम उम्र के बालक व बालिकाओं के साथ हों रही यौन हिंसा से बचने व उनकी शिकायत करने एवं अपनी बात खुलकर रखने के बारे में जानकारी दी गई और उनके अधिकारों के बारे में बताया गया। सरकार द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर 1098, 181, 1090, 112, 1076 की जानकारी भी प्रदान की गई। दहेज प्रथा को समाप्त करने, ,बाल श्रम को रोकने के लिए सभी को जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभा अग्रवाल, खंड विकास अधिकारी, राजवीर सिंह, एडीओ पंचायत, क्षेत्र, आकाश पाल एडीओ, समाज कल्याण सौरव, एपीओ व ममता दुबे, केन्द्र प्रबन्धक, करूणा निधी, मनोज्ञानिक सामाजिक परामर्शदाता (वन स्टॉप सेन्टर), ललिता रानी, जेन्डर विशेषज्ञ व बी डी सी मेंबर, ग्राम प्रधान आदि उपस्थित रहैं।

## अमरोहा जिले में वृहद वृक्षारोपण अभियान में लगे 39 लाख 95 हजार 200 पेड़ पौधे

**अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:-** पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अमरोहा जिले में एक वृहद वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत जिले में लक्ष्य से अधिक 39 लाख 95 हजार 200 पेड़ 24 विभागों द्वारा लगाए गए है। इसकी जानकारी जिले के मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने दी। यह अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत चलाया जा रहा है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर शुरू किया गया है। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने बताया कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, "वृक्षारोपण न केवल हमारे पर्यावरण को स्वच्छ और स्वस्थ बनाता है, बल्कि यह हमारी माताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने का भी एक सुंदर तरीका है। हमारा लक्ष्य है कि जिले का प्रत्येक व्यक्ति इस अभियान में भाग ले और अपने आसपास हरियाली को बढ़ावा दे।" यह अभियान जिले के विभिन्न हिस्सों में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें ग्रामीण और शहरी क्षेत्र दोनों शामिल हैं। वन विभाग, नगर पालिका परिषद, सामाजिक संगठन, शिक्षण संस्थान, और स्थानीय जनप्रतिनिधि इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। पौधरोपण के लिए विभिन्न प्रजातियों के पेड़ों का चयन किया गया है, जिनमें बरगद, पीपल, नीम, आम, अमरूद, और जामुन जैसे छायादार और फलदार पेड़ शामिल हैं। इन पेड़ों को न केवल पर्यावरण संरक्षण के लिए चुना गया है, बल्कि ये स्थानीय समुदाय को फल और छाया प्रदान करने में भी सहायक होंगे।अभियान की शुरूआत जिला प्रशासन के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, और स्थानीय लोगों की उपस्थिति में की गई। सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्र ने बताया कि पौधरोपण के लिए चयनित स्थानों में स्कूल, कॉलेज, सरकारी कार्यालय, औद्योगिक क्षेत्र, और नदियों के किनारे शामिल हैं। विशेष रूप से, गंगा नदी के किनारे तिगरिया खादर और हसनपुर रेंज में बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया जा रहा है। इसके अलावा, अमृत सरोवर जैसे स्थानों पर पेड़ों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड और फेंसिंग की व्यवस्था भी की गई है इस अभियान में स्थानीय समुदाय की भागीदारी को बढ़ाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। स्कूलों और कॉलेजों में छात्र-छात्राओं को पौधरोपण के महत्व के बारे में बताया जा रहा है। साथ ही, उन्हें पेड़ों की देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भी सौंपी जा रही है। सीडीओ ने जोर देकर कहा कि पेड़ लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, ताकि ये पौधे वृक्ष बनकर पर्यावरण को दीर्घकालिक लाभ प्रदान कर सकें। अश्वनी कुमार मिश्र ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस पुनीत कार्य में हिस्सा लें और अपने परिवार, खासकर अपनी माताओं के नाम पर कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाएं। यह अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक कदम है, बल्कि यह सामाजिक एकजुटता और भावनात्मक जुड़ाव का भी प्रतीक है।

# कलेक्ट्रेट सभागार में पंचायत उत्सव भवन योजनान्तर्गत की गई बैठक आयोजित

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पंचायत उत्सव भवन योजनान्तर्गत बैठक आयोजित की गई। सर्वप्रथम बैठक में जनपद स्तर पर समिति का गठन शासन स्तर से किया गया है, जिसमें जिलाधिकारी महोदया (अध्यक्ष), मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी, अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत, अधिशासी अभियन्ता, लोनिवि, अधिशासी अभियन्ता, विद्युत विभाग (सदस्य) एवं जिला पंचायत राज अधिकारी (सदस्य / सचिव) सम्मिलित हैं। जनपद के ग्रामीण क्षेत्र की प्रत्येक विधानसभा में पंचायत उत्सव भवन निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में विस्तृत निर्देश शासन से प्राप्त हुए हैं। पंचायत उत्सव भवन की अनुमानित लागत रू0 1.41 करोड़ आंकलित की गयी है। वर्तमान वित्तीय वर्ष हेतु प्रदेश में 100 करोड़ का बजट प्राविधान हुआ है, जिससे प्रथम चरण में प्रदेश में 71 ग्रामीण विधान सभाओं में पंचायत उत्सव भवन का निर्माण कराया जाना है। पंचायत भवन उत्सव हेतु न्यूनतम 3000 वर्ग मीटर भूमि की आवश्यकता होगी। पंचायत उत्सव भवन में 01 हॉल स्टेज / मण्डप सहित (100 लोगों की क्षमता का), 03 कमरे जिसमें एक दिव्यांगजन हितैषी कमरा भूतल पर शौचालय सहित, पुरुष/महिला/दिव्यांगजन शौचालय, रसोई घर इत्यादि निर्मित किया जायेगा जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि जिला पंचायत राज अधिकारी एवं सम्बन्धित उपजिलाधिकारी स्वयं स्थल का परीक्षण कर उपयुक्त भूमि की उपलब्धता के सम्बन्ध में आख्या तैयार कर उपलब्ध करायें। जिला पंचायत राज अधिकारी / सदस्य सचिव द्वारा अवगत कराया गया कि ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल पुस्तकालय (बाल एवं किशोर पुस्तकालय) स्थापित किये जाने हेतु दिशा-निर्देश निर्गत किये गये हैं। जिसमें जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद अमरोहा की 103 ग्राम पंचायतों में डिजिटल पुस्तकालय (बाल एवं किशोर पुस्तकालय) की स्थापना प्रथम चरण में की जानी है, जिसमें विकास खण्ड अमरोहा की 01 ग्राम पंचायत, विकास खण्ड जोया की 15. विकास खण्ड धनौरा की 06, विकास खण्ड हसनपुर की 33 एवं विकास खण्ड गजरौला की 47 ग्राम पंचायतों में डिजिटल पुस्तकालय की स्थापना की जानी है, जिस हेतु प्रति डिजिटल पुस्तकालय की स्थापना हेतु 04.00 लाख रुपए की धनराशि शासन से अवमुक्त की जानी है, जिसमें 02.00 लाख रुपए में से 01.30 लाख रुपए कम्प्यूटर (यू०पी० डेस्को के माध्यम से) आदि उपकरण हेतु तथा 70.00 हजार रुपए फर्नीचर (जैम पोर्टल के माध्यम से) के क्रय हेतु तथा शेष 02.00 लाख रुपए में से 90.00 हजार रुपए की एन०बी०टी० से किताबें क्रय की जायेंगी एवं 90.00 हजार रुपए की अन्य प्रकाशन की किताबें क्रय की जायेंगी तथा शेष 20.00 हजार रुपए से डिजिटल कन्टेन्ट पर्चेज किया जायेगा, जिसके लिये शासन से पृथक से निर्देश प्राप्त होंगे। इस पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा सर्वप्रथम क्रय की जाने वाली किताबों हेतु कमेटी गठित की गयी है, जिसमें जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी एवं 02 विशेष आमंत्रित सदस्य सम्मिलित हैं। उक्त समिति की अगली बैठक अगले सप्ताह की जानी प्रस्तावित की गयी है। जिला पंचायत राज अधिकारी/सदस्य सचिव द्वारा अवगत कराया गया कि शासने के निदेर्शों के क्रम में पंचायत प्रतिपूर्ति प्रोत्साहन योजनान्तर्गत जनगणना वर्ष 2011 के आधार पर 1500 तक आबादी वाली जनपद की 161 ग्राम पंचायतों के लिए स्वयं के संसाधन से आय आधारित पंचायत प्रतिपूर्ति एवं प्रोत्साहन योजना के क्रियान्वय के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश निर्गत किये गये है। पंचायत प्रतिपूर्ति एवं प्रोत्साहन योजनान्तर्गत ग्राम पंचायतों को धनराशि गतवर्ष में ग्राम पंचायतों द्वारा प्राप्त ओ०एस०आर० के आधार पर आवंटित किये जाने का प्राविधान है। ओ०एस०आर० (स्वयं की संसाधन से आय) की गणना ग्राम पंचायतों द्वारा जनसेवा केन्द्र शुल्क, कूड़ा कचरा संग्रहण, खाद बिक्री, आर०आर०सी० सेन्टर से आय, जल शुल्क, तालाब के पट्टे / नीलामी इत्यादि हेतु राजस्व विभाग से प्राप्त आय, दुकानों / शॉपिंग काम्पलेक्स के किराये से प्राप्त आय, ग्राम पंचायत के अन्य संसाधनों से प्राप्त आय के अतिरिक्त पंचायत राज अधिनियम 1947 की धारा 37 में वर्णित करों एवं शुल्क के आरोपण के आधार पर आय की गणना की जायेगी। उक्त आय ग्राम पंचायत के ओ०एस०आर० खाते / ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समिति के संचालन एवं अनुरक्षण निधि खाते में प्रदर्शित होनी चाहिए। उक्त खातों में प्राप्त ब्याज की भी गणना ओ०एस०आर० में की जायेगी। ग्राम पंचायत में वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्राप्त ओ० एस०आर० के आधार पर 5 गुना धनराशि शासन द्वारा सम्बन्धित ग्राम पंचायत को उपलब्ध करायी जायेगी।

जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा जनपद के समस्त सहायक विकास अधिकारी पंचायत को एक सप्ताह के भीतर ग्राम पंचायत में समस्त प्राप्त ओ०एस०आर० को ग्राम पंचायत के ओ०एस०आर० बैंक खाते में जमा करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही जमा की गयी धनराशि की कैशबुक एवं परिसम्पत्ति रजिस्टर तैयार किया जाना आवश्यक है तथा ग्राम पंचायत स्तर पर प्रशासनिक समिति की बैठक कर अनुमोदन भी प्राप्त किया जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

## कावड़ जत्थेदारों एवं डीजे संचालकों के साथ की गई मीटिंग

**सम्भल(सब का सपना):-** पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी सम्भल अलोक कुमार एवं उपजिलाधिकारी सम्भल द्वारा श्रावण मास व कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत थाना सम्भल व थाना हयातनगर पर कावड़ जत्थेदारों एवं डीजे संचालकों के साथ मीटिंग की गयी। जिसमें मानक के अनुसार डीजे बजाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा शासन की गाइडलाइन से सभी को अवगत कराकर निर्देशित किया गया कि सभी लोग शासन की गाइडलाइन का पालन करें तथा क्षेत्राधिकारी असमोली कुलदीप कुमार द्वारा थाना नखासा पर कावड़ यात्रा व शिवरात्रि के संबंध में वॉलिंटियर्स व ग्राम प्रधानों की मीटिंग की गई। जिसमें सभी को कावड़ यात्रा के सम्बन्ध में शासन के निदेर्शों से अवगत कराकर पालन करने हेतु निर्देशित किया गया ।

## बारिश में गिरा मकान, मलबे में दबकर किसान की मौत

**धनौरा (अमरोहा)।** गांव कैसरा में बृहस्पतिवार तड़के एक मकान भरभराकर गिर गया। मकान में सो रहे किसान खचेडू (65) व उनकी पत्नी कमला देवी मलबे में दब गए। पड़ोसियों ने दंपती को मलबे से निकाला लेकिन किसान की जान चली गई। कमला देवी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंडी धनौरा क्षेत्र के गांव कैसरा निवासी खचेडू खेती करते थे। वह बुधवार रात पत्नी कमला देवी के साथ कमरे में सो रहे थे। कमरे पर शेड पड़ा था। वहीं, घर के दूसरे हिस्से किसान का बेटा अपनी पत्नी व बच्चों के साथ सो रहा था। क्षेत्र में बुधवार रात करीब 11 बजे बारिश शुरू हुई थी। बारिश के बीच बृहस्पतिवार तड़के करीब तीन बजे कमरे की छत पर पड़ा टीन शेड़ भरभराकर गिर गया। इसके नीचे खचेडू व उनकी पत्नी दब गए। छत गिरने की आवाज सुन किसान का बेटा व पास के लोग मौके पर पहुंचे और मलबे के नीचे दबे दंपती को बाहर निकाला। आनन-फानन में परिजन दोनों को गंभीर हालत में लेकर अस्पताल पहुंचे। चिकित्सक ने खचेडू सिंह को मृत घोषित कर दिया जबकि कमला देवी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

## सपा कार्यकताओं द्वारा किया गया बैठक का आयोजन

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक कैम्प कार्यालय बहजोई पर सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष निदेशानुसार पी डी ए को मजबूत करने लिए जिले की सभी विधानसभाओं में कार्यक्रम लगातार आयोजित हो रहे हैं। सभी पदाधिकारीओ को पीडीए को मजबूत करने में लगना पड़ेगा। उन्होंने कहा कार्यकर्ता बोट बनवाने पर भी ध्यान दें जिससे पार्टी को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा आज योगी सरकार में किसानों को सिंचाई के लिए खाद्य बिजली भी नहीं मिल पा रही है। संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने किया उन्होंने सम्बोधित करते हुए कहा की बैठक में आए सभी पदाधिकारी पार्टी को घर घर जाकर मजबूत करने का काम करें। बैठक में विमलेश कुमारी ताहिर उल्ला खान उमेश यादव ने भी किया शोभित कुमार काका सद्दाम कुरेशी सूरज यादव भावना सक्सैना पप्पू यादव सुनीता यादव सोनी ठाकुर सत्यभान यादव उमेश गुप्ता मनोज शर्मा मुकेश यादव रविन्द्र पाल अंश वरनवाल बब्बन मोर्या ए पी शर्मा डा होराम सिंह जाटव मनीष यादव शिवम यादव अकरम वीरपाल यादव सददन शेख रियासत भाई एस पी विलाल पवन यादव कपिल देव अनिकेत यादव अमर सिंह यादव पिनटेश शर्मा बृजेन्द्र कश्यप ठा तेजेन्द्र सिंह राघव सिंह यादव आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## गुरु पूर्णिमा के अवसर पर नगर में दिव्य सत्संग का आयोजन

**गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):-** नगर स्थित अग्रवाल भवन में गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर 'द आर्ट ऑफ लिविंग' संस्था द्वारा एक भव्य दिव्य सत्संग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय योग शिक्षिका मेघना सोती ने अपनी मधुर एवं भावपूर्ण भजन प्रस्तुति से समस्त वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। बता दें कि कार्यक्रम के दौरान मेघना सोती ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए बताया कि आने वाले एक सप्ताह तक विदुर साधना केन्द्र, गजरौला में सहज समाधि ध्यान कार्यक्रम एवं बच्चों के लिए विशेष इंट्यूशन प्रोग्राम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने दैनिक जीवन की भागदौड़ और तनाव से निपटने के लिए ध्यान की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि दिन में केवल 15 मिनट ध्यान करने से हम स्वयं को तरोताजा और ऊर्जावान महसूस कर सकते हैं इस कार्यक्रम में द आर्ट ऑफ लिविंग के शिक्षक एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से रजनी कश्यप, माधवी जी, दीपक कक्कड़, प्रदीप कुमार गुप्ता, ऋषिपाल जी, अभिषेक जी, सुशील एडवोकेट, कमल अग्रवाल, नितिन बंसल,संजय गोयल, रविन्द्र गोयल, अनिकेत अग्रवाल, चंचल,वंदना, एकता शिप्रा और प्रियंका का उल्लेखनीय योगदान रहा।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर गुरुपूर्णिमा के इस पावन पर्व को आनंद और श्रद्धा के साथ मनाया।

## बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त करने के लिए जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन अधिशासी अधिकारी को सौंपा गया

**चंदौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपना:-** शुक्रवार को अखिल भारतीय युवा उधोग व्यापार मंडल चन्दौसी के नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू के नेतृत्व में अधिशासी अधिकारी नगर पालिका चंदौसी के माध्यम से जिलाधिकारी को संबोधित एक ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन के माध्यम से चंदौसी नगर के आउटर पर सिम्स कॉलेज से लेकर बदायूँ रोड तक बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों के बारे में अवगत कराया गया। नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा कि लगभग 3 वर्ष पहले विधायक चंदौसी की निधि से लगभग 5 करोड की लागत से लोक निर्माण विभाग द्वारा स्ट्रीट लाइट लगायी गयी थी जो बाद में नगर पालिका प्रशासन को हैंडओवर कर दी गयी थी। वर्तमान में तो अधिकांश खम्भो से लाईट ही गायब है कुछ खम्बे टूट कर गिर गये है। ये मानो सभी स्ट्रीट लाइट सफेद हाथी के समान हो गयी है। लाइटों के खराब होने की बजह से कई हादसे भी हो चुके है। अभी सावन के पवित्र माह में दूर दूर से श्रदालू इसी राज्य हाईवे से हो कर जा रहे है अँधेरा होने की बजह से कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। अतः जनहित में तत्काल सभी स्ट्रीट लाइटों को दुरूस्त किया जाये। ज्ञापन में प्रदेश मंत्री शाहआलम मंसूरी, भाजपा नेता शुभम अग्रवाल, ब्रजेश वार्ष्णेय, मुजीव, सीपी सिंह, अमन कोरी, तरुण नीरज आदि शामिल रहे।

## दुख और कष्ट में बीता बचपन, बाद में बनीं बॉलीवुड की पहली कॉमेडी क्वीन

**अमरोहा:** जब भी बॉलीवुड के मशहूर कॉमेडियन की बात होती है तो महमूद और जॉनी वॉकर से लेकर जॉनी लीवर, जूनियर महमूद और राजपाल यादव के नाम लिए जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बॉलीवुड की पहली महिला कॉमेडियन कौन थीं? अभिनेत्री उमा देवी खत्री उर्फ टुनटुन वो शख्स हैं जिन्हें बॉलीवुड की पहली महिला कॉमेडियन माना जाता है। टुनटुन कॉमेडी क्वीन के नाम से जानी जाती हैं। सिंगर-एक्टर उमा देवी उर्फ टुनटुन की आज 102वीं जयंती है। इस मौके पर जानते हैं कैसे शुरू हुआ उनका सफर। बचपन में कर दी गई मां-बाप और भाई की हत्या अपनी एक्टिंग से लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाने वाली टुनटुन का बचपन दुखों भरा रहा है। टुनटुन का जन्म उमा देवी खत्री के रूप में 11 जुलाई 1923 को अब उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में हुआ था। टुनटुन का बचपन बेहद मुश्किलों में गुजरा। उनके माता-पिता और भाई की हत्या जमीन विवाद में कर दी गई थी। अपनी मौत से दो दिन पहले टुनटुन ने एक इंटरव्यू में बताया था कि मैं नहीं जानती मेरे मां-बाप कैसे दिखते थे क्योंकि जब मैं ढाई साल की थी तो वो गुजर चुके थे। मेरा 8-9 साल का भाई था जिसका नाम हरी था। मुझे याद है हम अलीपुर में रहते थे। एक दिन मेरे भाई की भी हत्या कर दी गई तब मैं चार-पांच साल की रही हूंगी। टुनटुन का बचपन से ही संगीत की तरफ झुकाव था। वो अक्सर रेडियो से गाने सुनकर उसका रियाज किया करती थीं। टुनटुन अक्सर काम के सिलसिले में दरियागंज में रहने वाले रिश्तेदार के घर जाया करती थीं। एक दिन वहां पर उनकी मुलाकात अख्तर अब्बास काजी से हुई। उन्होंने टुनटुन से वादा किया था वो उनकी मदद जरूर करेंगे। लेकिन बाद में वो लाहौर चले गए। इसके बाद उनकी मुलाकात एक लड़की से हुई जो मुंबई के कई फिल्म वालों को जानती थी। एक दिन टुनटुन ने उनको ये बात बताई उन्हें गाने का बहुत शौक है, तो उन्होंने कहा कि तुम मेरे साथ मुंबई चलो। इसके बाद टुनटुन अपनी उस दोस्त के साथ भागकर मुंबई आ गईं। वहां पर दोस्त ने उनकी मुलाकात डायरेक्टर नितिन बोस के असिस्टेंट से कराई। नए शहर में जाने के बाद टुनटुन के पास रहने के लिए कोई ठिकाना नहीं था, तो नितिन बोस के असिस्टेंट ने उन्हें अपने घर पर पनाह देदी। टुनटुन को बतौर सिंगर पहला ब्रेक मशहूर संगीतकार नौशाद ने दिया था। टुनटुन ने नौशाद साहब से जाकर कहा कि मैं गाती अच्छा हूं आप मुझे काम दीजिये नहीं तो मैं समंदर में कूद जाऊंगी। तब टुनटुन का ऑडिशन लिया गया।

## बंद पड़े कॉटन वेस्ट कारखाने में आग, दमकलकर्मियों ने पाया काबू

**अमरोहा।** संदिग्ध हालात में बंद पड़े कॉटन वेस्ट कारखाने में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। दमकल की गाड़ियों ने कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से कई लाख के नुकसान का अंदेशा है। यह घटना मोहल्ला इस्लामनगर में बृहस्पतिवार दोपहर लगभग दो बजे की है। मोहल्ला बटवाल निवासी ताहिर मंसूरी का यहां पर कॉटन वेस्ट कारखाना है। कारखाना परिसर में ही गोदाम भी है। बृहस्पतिवार को मजदूर नहीं आए थे। इसके चलते कारखाना बंद था। दोपहर के समय अचानक कारखाने में आग लग गई। आग की लपटें व धुआं देख लोगों की भीड़ जमा हो गए। लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन कामयाब नहीं हो सके। कारखाना स्वामी भी आ गए थे। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां पहुंच गई। कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग में कई लाख रुपये का नुकसान का अंदेशा है।

## मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में जन चौपाल लगाकर गाँव की समस्या,गाँव में समाधान का किया गया आयोजन

### एडीओ आईएसबी कुलदीप सिंह द्वारा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किये जा रहे उत्पाद की दी गई जानकारी

**बहजोई/संभल (सब का सपना:-** विकासखंड असमोली के ग्राम पंचायत कुतुबपुर सक्ता में जिलाधिकारी डॉ.राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में जन चौपाल गाँव की समस्या,गाँव में समाधान का आयोजन किया गया।जिसमें विभिन्न विभागों जैसे स्वास्थ्य विभाग,आईसीडीएस विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा कैम्प एवं शासन की योजनाओं से संबंधित स्टाल लगाए गये ताकि ग्रामीण लोग शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। एडीओ आईएसबी कुलदीप सिंह द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किये जा रहे उत्पाद तथा अन्य योजनाओं के विषय में बताया गया।एडीओ एजी द्वारा कृषि विभाग से संबंधित योजनाओं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, पीएम कुसुम योजना,फार्मर रजिस्ट्री तथा फैमिली आईडी आदि के विषय में बताया।समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के विषय में बताया गया।स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी आयुष्मान गोल्डन कार्ड आदि योजनाओं के विषय में बताया। खण्ड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग से संबंधित योजनाओं के विषय में बताया गया और उन्होंने कहा कि अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में पढाएं योग्य शिक्षको द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है। अपर जिला पंचायती राज अधिकारी चेतेन्द्र पाल सिंह ने आर आर सी सेन्टर, कचरा उठान आदि पर चर्चा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने आशा डायरी को चेक किया तथा उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य ' गाँव की समस्या का गाँव में समाधान हो' है । गाँव को बदलना हो तो सबके सहयोग की भावना एवं सामुदायिक भावना तथा जियो और जीने दो की भावना से आगे बढ़ना होगा।पुनः प्राथमिक शिक्षा को मजबूत करना होगा।स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी आगे बढ़ना है।वीएचएनडी सत्र एवं स्वास्थ्य पोषण दिवस वाले दिन गर्भवती माताएं गर्भ की जानकारी सत्र में दें तथा त्रि मासिक जांच कराएं। आशाएं अपना कार्य जिम्मेदारी से करें। प्रधानमंत्री जी का सपना है देश को 2047 ई तक देश को विकसित करना है इसलिए सभी को योगदान देना होगा। आशा को रजिस्टर अपूर्ण होने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने विकास के विषय में भी ग्रामीणों को बताया। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी बृजेश कुमार, अपर जिला पंचायती राज अधिकारी चेतेन्द्र पाल सिंह, खण्ड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार, एडीओ पंचायत अनिल कुमार सिंह, एडीओ सहकारिता रोहतास सिंह तथा ग्राम पंचायत सचिव तथा ग्राम प्रधान सन्तरा देवी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

# सामु0स्वा0 केन्द्र गौरीगंज के अन्तर्गत ग्राम टिकरिया व सामु0 स्वा0 केन्द्र अमेठी का अपर निदेशक ने किया निरीक्षण

**अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः-** जनपद में 01 जुलाई 2025 से 31 जुलाई 2025 तक चलने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं 11 जुलाई 2025 से 31 जुलाई 2025 तक चलने वाले दस्तक अभियान के अन्तर्गत आज सामु०स्वा० केन्द्र गौरीगंज के अन्तर्गत ग्राम टिकरिया का चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, अयोध्या मण्डल अयोध्या के अपर निदेशक डॉ० वी०के० वर्मा द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ० अंशुमान सिंह, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी वी०बी०डी० डॉ० रामप्रसाद, अधीक्षक सामु०स्वा० केन्द्र गौरीगंज डॉ० राजीव सौरभ, जिला मलेरिया अधिकारी सुशील कुमार व ग्राम की आशा अनीता व आंगनबाडी सरोज मिश्रा उपस्थित थे। निरीक्षण में पाया गया कि ग्राम में संचारी रोग नियंत्रण य दस्तक अभियान से सम्बन्धित प्रचार-प्रचार सामग्री पोस्टर व बैनर चस्पा किये गये थे, परिवार को दिमागी बुखार, क्षय रोग, दस्त तथा कुपोषण के विषय में जानकारी देते हुए उक्त रोगों के प्रभाव में आने पर नजदीकी चिकित्सालय में जाने हेतु सलाह दी जा रही थी व सोर्स रिडक्शन का कार्य भी आशा द्वारा सम्पादित किया जा रहा था। लक्षणयुक्त रोगियों की लाईन-लिस्टिंग भी आशा द्वारा तैयार की जा रही थी। ग्राम में पंचायतीराज विभाग द्वारा नालियों की सफाई, झाडियों की कटाई व एन्टीलार्वा स्प्रे का कार्य सुचारू रूप से किया गया था। आम जनमानस से जानकारी लेने पर बताया गया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा संचारी रोग के प्रति जागरूक किया गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी अमेठी द्वारा उपस्थित टीम को लावीर्साइडल छिडकाव एवं डेंगू निरोधात्मक कार्यवाही की प्रकिया के बारे में जागरूक किया गया एवं सम्भावित स्रोतो का विनष्टीकरण किया गया। उक्त निरीक्षण के उपरान्त चिकित्सा व्यवस्था की तैयारी हेतु सामु०स्वा० केन्द्र अमेठी का निरीक्षण किया गया, चिकित्सालय में साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक व चिकित्सालय में एक्स-रे एवं अल्ट्रासाउण्ड मशीन संचालित पायी गयी तथा चिकित्सालय में स्थापित एम०एन०सी०यू० व जे०एस०वाई० वार्ड की साफ-सफाई एवं चिकित्सा व्यवस्था सुदृढ पायी गयी, जिसके क्रम में अपर निदेशक द्वारा अधीक्षक सामु०स्वा० केन्द्र अमेठी की प्रशंसा करते हुए बेहतर स्वास्थ्य सुविधा बनाये रखने हेतु प्रेरित किया गया।

# गैंगेस्टर एक्ट में वांछित 2 अभियुक्त पुलिस ने किए गिरफ्तार

**अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः-** एसपी अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी तिलोई दिनेश कुमार मिश्र के कुशल नेतृत्व में थाना मोहनगंज पुलिस द्वारा तलाश वांछित देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर मु0अ0सं0 205/25 धारा 2/3(1) यूपी गैंगेस्टर एक्ट थाना मोहनगंज जनपद अमेठी में वांछित अभियुक्तों 1. पंकज कुमार सिंह उर्फ राजू पुत्र शिव सिंह निवासी कनपुरिया मद्दूपुर थाना जगदीशपुर जनपद अमेठी उम्र करीब 40 वर्ष, 2. अंकित पासी उर्फ संतोष पुत्र जयलाल निवासी खानापुर चपरा थाना मोहनगंज जनपद अमेठी उम्र करीब 23 वर्ष को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्तों का एक सक्रिय गैंग है, जिसका गैंग लीडर पंकज सिंह उर्फ राजू है । गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध जनपद अमेठी के विभिन्न थानों पर हत्या का प्रयास, वाहन चोरी, मारपीट,अवैध शस्त्र निर्माण हेतु फैक्ट्री चलाने एवं अन्य गंभीर धाराओं में अभियोग पंजीकृत है। खबर लिखें जाने तक गिरफ्तारी के संबन्ध में थाना मोहनगंज पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

# उ0प्र0 हज समिति ने चयनित हज यात्रियों को हज यात्रा-2026 के लिए दिये आवश्यक निर्देश

**अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः-** जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी प्रभात कुमार ने बताया कि सचिव/कार्यपालक अधिकारी, उ0प्र0 हज समिति लखनऊ द्वारा हज यात्रा-2026 हेतु हज कमेटी ऑफ इण्डिया मुम्बई के सर्कुलर-2 दिनांक 26 जून 2025 के द्वारा हज सत्र-2026 की घोषणा कर दी गयी है एवं ऑनलाइन आवेदन हज कमेटी ऑफ इण्डिया की वेबसाइट http://www.hajcommittee. gov.in व हज सुविधा ऐप के माध्यम से स्वयं अथवा जनपद के निर्धारित हज फैसिलीटेशन सेन्टरों पर 07 जुलाई 2025 से ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है तथा ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई 2025 है। इस क्रम में उन्होंने बताया कि हज-2026 की आवश्यक तैयारियों हेतु निर्देशित व समय सीमा निर्धारित किया गया है जिसके तहत इच्छुक आवेदक प्रथम किश्त के रूप में रू0 1.5 लाख की व्यवस्था रखें, हज-2026 हेतु पासपोर्ट मशीन पठित होना आवश्यक है, हस्तलिखित पासपोर्ट मान्य नही होगा तथा हज-2026 के आवेदन हेतु पासपोर्ट की वैधता 31 दिसम्बर 2026 तक होना आवश्यक है व जो इच्छुक आवेदक हज-2026 की यात्रा हेतु नये पासपोर्ट का आवेदन कर रहे है उनको सलाह दी जाती है कि नुसुक पोर्टल की आवश्यकताओं के अनुरूप अपने पासपोर्ट में सरनेम/लास्ट नेम का कॉलम खाली न छोड़े। इस सम्बन्ध में उन्होंने बताया कि हज से सम्बन्धित किसी प्रकार की जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस में जनपद के जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अमेठी के कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा दूरभाष संख्या-7985880283 पर सम्पर्क कर प्राप्त किया जा सकता है।

# एक पेड़ मां के नाम लगाने का जिला अध्यक्ष कंचन गुप्ता ने दिलाया संकल्प

**अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः-** भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष कंचन गुप्ता के नेतृत्व में अमरूद, जामुन आदि के अमरूद जामुन आदि फलदार पौधे गायत्री परिसर में लगाए गए। इस दौरान जिला अध्यक्ष कंचन गुप्ता ने कहा कि हमें जीने के लिए जितना पानी जरूरी है उतना ही हमारे जीवन में पेड़ों का भी महत्व है। उन्होंने कहा कि हमें पेड़ों से ऑक्सीजन मिलती है इसीलिए हम निर्णय लेन की हर एक व्यक्ति हर वर्ष पौधा अवश्य लगाएं और उस पौधे की देखरेख अवश्य करें जिससे कि वह पौधा बड़ा हो सके। उन्होंने कहा कि पेड़ों से केवल हरियाली ही नहीं बल्कि पेड़ आने वाली पीढ़ियों के जीवन की आधारशिला है। आगे उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण को केवल वृक्षारोपण ना मानकर अपनी जिम्मेदारी समझे और हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए पेड़ अवश्य लगाएं। इस दौरान डॉक्टर त्रिवेणी सिंह व्यवस्थापक गायत्री मंडल परिवार, संगीता शर्मा, मीना सिंह जिला उपाध्यक्ष, राजेश्वरी तिवारी जिला उपाध्यक्ष, केश कुमारी यादव मीडिया प्रभारी, सरिता सिंह प्रधानाचार्य, सुधा पांडे, शकुंतला सिंह, पवन कुमार, महेश वरनवाल आदि लोग मौजूद रहे।

## विश्व युवा कौशल दिवस पर कौशल यूथ आइकान सम्मान समारोह, कौशल प्रदर्शनी का आयोजन 15 जुलाई को

**अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः-** राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के नोडल प्रधानाचार्य विवेक कुमार ने बताया कि जनपद के बेरोजगार युवकों एवं युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर राजकीय आई0टी0आई0 गौरीगंज में कौशल विकास मिशन, आई0टी0आई0 एवं सेवायोजन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में जनपद स्तर पर 14 जुलाई को वृहद् रोजगार मेले एवं 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर 11 प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षार्थियों को कौशल यूथ आइकान सम्मान समारोह तथा प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि उक्त रोजगार मेले में 10 से अधिक विभिन्न सेक्टरों की नेशनल एवं मल्टीनेशनल कम्पनियॉ प्रतिभाग करेंगी जो 8वीं, 10वीं, 12वीं पास से लेकर उ0प्र0 कौशल विकास मिशन एवं आई0टी0आई0 पास अभ्यर्थियों को 14 जुलाई को रोजगार प्रदान करेंगी तथा आयोजित रोजगार मेले में बेरोजगार युवकों एवं युवतियॉ सभी दस्तावेज (बायोडाटा, पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, शैक्षणिक प्रमाण पत्रों) के साथ प्रतिभाग कर सकते है।

# अतिक्रमण हटाने गई राजस्व टीम के सामने युवक ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाने की कोशिश की

**अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः-** पशु विभाग की जमीन पर किए गए अवैध अतिक्रमण की शिकायत तहसील दिवस पर पशु विभाग द्वारा की गई थी। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए राजस्व टीम के नायब तहसीलदार प्रशांत कुमार और लेखपाल प्रभात सिंह अतिक्रमण हटाने पहुंचे थे। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मौके पर नायब तहसीलदार ने सिर्फ एक ही दुकानदार की दुकान हटाने के लिए कहा। बताया गया कि पहले भी इसी दुकानदार को नोटिस जारी किया गया था। जबकि अन्य दुकानदारों की भी दुकानें अतिक्रमण की जद में आ रही थीं। इस पर दुकानदार का आरोप है कि उसे ही जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। इसी बीच राजस्व टीम ने बिना पुलिस बल के ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी। इस पर आक्रोशित दुकानदार ने मौके पर खड़ी गाड़ी से पेट्रोल निकालकर खुद पर डाल लिया और खुद को आग लगाने की कोशिश की। अचानक हुई इस घटना से अफसरों में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने तत्काल युवक को पकड़ा और आग लगाने से रोक लिया। घटना के बाद युवक मौन बना रहा और किसी से भी बातचीत नहीं की। खबर लिखें जाने पूरे मामले को लेकर प्रशासन की ओर से आगे की कार्रवाई करने की बात कही जा रही थी।

# गुरुजनों के चरणों में झुकाया सिर

**अमेठी।** पौराणिक कथाओं के अनुसार गुरु पूर्णिमा को भगवान शिव ने सप्तऋषियों को ज्ञान हस्तांतरित किया, तब से भोलेनाथ को गुरु के रूप में भी जाना जाने लगा। भगवान शिव, उनकी शिक्षाओं और सप्तऋषियों के सम्मान में गुरु पूर्णिमा पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। लोगों ने गुरुजनों के चरणों में श्रद्धा से सिर झुकाया और उनकी शिक्षा को आत्मसात किया। जिला मुख्यालय गौरीगंज के जामों रोड के माधवपुर गांव स्थित मानव सद्भावना सेवा केंद्र पर सत्संग के बाद प्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान प्रवाचक नवनीता बाई, देवानंद मौर्य, रामकेवल यादव, विपिन सिंह, रामकुमार यादव, अनुज शर्मा आदि मौजूद रहे। गायत्री शक्तिपीठ में नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ हुआ। श्रद्धालुओं ने गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर डॉ. चंद्रावती सिंह, गायत्री सिंह, डॉ. आरपी सिंह, अखिलेश पांडेय, चिरौंजीलाल आदि मौजूद रहे। संग्रामपुर के टीकरमाफी स्थित स्वामी परमहंस आश्रम में स्वामी हर्ष चैतन्य ब्रह्मचारी ने शिष्यों के साथ आश्रम पीठाधीश्वर हरिचैतन्य ब्रह्मचारी महाराज की पूजा-अर्चना की। गुरुपूजन को वैदिक विद्वान धर्मेंद्र शास्त्री, आचार्य विद्याशंकर व आचार्य जनार्दन ने संपन्न कराया। इस अवसर पर प्राचार्य धर्मेंद्र त्रिपाठी, अनिल कुमार, स्वामी सेवक, मुन्ना सिंह आदि मौजूद रहे। शाहगढ़ के निजी विद्यालय में गुरु पूर्णिमा पर हवन-पूजन के साथ शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर विद्यालय परिवार ने फलदार पौधे लगाए। जगदीशपुर के नारद धाम में गुरु पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने गुरु पूजन किया। अमेठी के भेटुआ शहरी वन स्थित विरक्तानंद आश्रम में गुरु पूर्णिमा पर्व धूमधाम से मनाया गया। कमरौली के हरगांव स्थित बाबा सिद्धादास आश्रम और हारीमऊ स्थित उदासीन आश्रम बाबा खाकी साहब में भंडारे का आयोजन किया गया। सिंहपुर के महेशपुर स्थित एक निजी संस्थान में हरिद्वार से पधारे आचार्य सुरेशानंद ने गुरु की महिमा का वर्णन किया। इस दौरान शिवाकांत त्रिपाठी, श्रीकांत, अनिल सोनी आदि मौजूद रहे। .

# अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम के सामने दुकानदार ने ज्वलनशील पदार्थ डालकर आत्मदाह की कोशिश की

**अमेठी :** यूपी के अमेठी में पशुपालन विभाग की जमीन से अतिक्रमण हटाने पहुंचे राजस्व टीम के सामने शुक्रवार को दुकानदार ने खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। घटना से अफसरों में अफरातफरी मच गई। लेकिन, समय रहते स्थिति को संभाल लिया गया। यह कार्रवाई अंतु मार्ग स्थित सरकारी भूमि पर की जा रही थी। इसकी शिकायत संपूर्ण समाधान दिवस में की गई थी। शिकायत पर नायब तहसीलदार प्रशांत कुमार और लेखपाल प्रभात सिंह की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने दुकान को हटवाने की प्रक्रिया शुरू की, तभी दुकानदार छोटई ने विरोध जताना शुरू कर दिया। दुकानदार का कहना है कि अन्य दुकानें भी भूमि सीमा में आती हैं। फिर भी कार्रवाई केवल उसके खिलाफ की जा रही है। पहले भी उसे नोटिस दिया गया था। कार्रवाई से आक्रोशित होकर युवक ने बोतल में भरा ज्वलनशील पदार्थ खुद पर डाल लिया। आग लगाने की चेतावनी देने लगा। एसडीएम आशीष कुमार ने बताया कि टीम नियमानुसार कार्य कर रही थी। युवक ने डर पैदा करने के लिए यह कदम उठाया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रवि कुमार सिंह ने बताया कि युवक को चिकित्सीय परीक्षण के लिए भेजा गया है। मेडिकल रिपोर्ट से स्पष्ट होगा कि तरल किस प्रकार का था। युवक सुरक्षित है और उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।

# डॉ. प्रियंका ने छात्राओं के बीच मनाया जन्मदिन

**अमेठी।** राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. प्रियंका मौर्या ने बुधवार और बृहस्पतिवार को वृद्धाश्रम, वन स्टॉप सेंटर, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, प्राथमिक विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं परखीं। संबंधित अधिकारियों को सफाई, पोषण और सुरक्षा संबंधी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पौधरोपण, अन्नप्राशन और गोदभराई भी कराई। इसके साथ ही कस्तूरबा विद्यालय की बच्चियों के बीच अपना जन्मदिन मनाया। डॉ. प्रियंका मौर्या ने गौरीगंज स्थित वृद्धाश्रम में बुजुर्गों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य, देखभाल और आवश्यक सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। सभी वृद्धजनों को फल व मिठाई बांटी। इसके बाद उन्होंने वन स्टॉप सेंटर गौरीगंज का निरीक्षण किया। डॉ. प्रियंका मौर्या बृहस्पतिवार को कालिकन धाम मंदिर पहुंचीं और पूजन-अर्चन के बाद कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय संग्रामपुर का निरीक्षण किया। यहां छात्राओं ने ढोल-नगाड़ों के बीच उनका स्वागत किया, तिलक लगाया और पुष्प वर्षा की। छात्राओं को चॉकलेट और फल वितरित कर उन्होंने जन्मदिन मनाया। बीईओ शशांक मिश्रा, वार्डन सीमा मिश्रा और शिक्षकों ने उन्हें भगवान श्रीराम की पेंटिंग भेंट की। कार्यक्रम के अंत में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। बहादुरपुर ब्लॉक के फुरसतगंज द्वितीय आंगनबाड़ी केंद्र पर डॉ. प्रियंका मौर्या ने दो गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की और छह माह पूरे कर चुके बच्चों का अन्नप्राशन करवाया।

# खण्ड विकास कार्यालय एवं सीएचसी भेटुआ का मुख्य विकास अधिकारी द्वारा किया गया औचक निरीक्षण

**अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः-** मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल द्वारा आज विकास खंड भेटुआ के खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय खण्ड विकास अधिकारी छत्रपाल सिंह तथा सीएचसी पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अभिमन्यु उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान खंड विकास अधिकारी कार्यालय भेटुआ में उपस्थिति पंजिका के अवलोकन से यह ज्ञात हुआ कि मनरेगा से संबद्ध केदार प्रसाद (एपीओ), अजय कुमार गुप्ता, सुरेंद्र कुमार जायसवाल, एवं अंशुमान विक्रम सिंह (सभी तकनीकी सहायक) द्वारा उपस्थिति पंजिका में न तो हस्ताक्षर किए गए थे, और न ही टूर अथवा स्थलीय भ्रमण का कोई उल्लेख किया गया था। इससे स्पष्ट होता है कि उक्त कर्मी कार्यालय में अनुपस्थित थे। इस पर उपयुक्त श्रम एवं रोजगार अधिकारी को निर्देशित किया गया कि उपरोक्त कर्मियों से स्पष्टीकरण प्राप्त कर शीघ्र प्रस्तुत करें। इसी क्रम में दिनेश कुमार जायसवाल (सफाईकर्मी) एवं गुलाबचंद सहायक विकास अधिकारी, पंचायत भी अनुपस्थित पाए गए। इस संबंध में जिला पंचायत राज अधिकारी अमेठी को निर्देशित किया गया कि इन कर्मियों का स्पष्टीकरण प्राप्त कर तत्काल प्रस्तुत करें, साथ ही कारण स्पष्ट किया जाए कि वे बिना किसी उच्चाधिकारी की अनुमति के क्यों अनुपस्थित रहे। कार्यालय परिसर में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई तथा कर्मचारियों की पटल मेजों पर नामपट्टिकाएं और पटल का विवरण भी अंकित नहीं पाया गया। अधिकांश कर्मियों द्वारा आई.डी. कार्ड भी धारण नहीं किया गया था। इस पर खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि वे सभी पाई गई कमियों को तत्काल दूर करते हुए स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें, एवं भविष्य में ऐसी लापरवाही न हो यह सुनिश्चित करें। इसके पश्चात मुख्य विकास अधिकारी ने सीएचसी भेटुआ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय चिकित्सा अधीक्षक उपस्थित थे, परंतु स्वास्थ्य केंद्र परिसर में सफाई व्यवस्था असंतोषजनक पाई गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी अमेठी को निर्देशित किया गया कि इस विषय में संबंधित कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए कमियों का शीघ्र निराकरण करें। ओपीडी कक्ष का निरीक्षण करते समय चिकित्सक द्वारा बताया गया कि अब तक 90 मरीजों की ओपीडी की जा चुकी है। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया कि मरीजों को किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो, यह सुनिश्चित किया जाए तथा सभी पात्र लाभार्थियों को शासन की स्वास्थ्य योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित किया जाए। सीएचसी भेटुआ के निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पंजिका के अवलोकन में यह पाया गया कि गायत्री सिंह द्वारा हस्ताक्षर नहीं किया गया था, जबकि समय मध्याह्न 12:00 बज चुके थे। इसके अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक द्वारा भी उपस्थिति का सत्यापन पंजिका में नहीं किया गया था। इस पर संबंधित को निर्देशित किया गया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से अनुपस्थिति का कारण स्पष्ट करते हुए स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने निरीक्षण के अंत में स्पष्ट रूप से कहा कि शासकीय कार्यालयों में कार्य व्यवस्था, उपस्थिति व अनुशासन को प्राथमिकता दी जाए तथा जनहित से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि सभी कमियों का त्वरित निस्तारण करते हुए तीन दिवस के भीतर आख्या प्रस्तुत करें।

## डीएम ने जनसुनवाई में सुनी जनता की समस्याएं, अधिकारियों को दिए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

**अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः-** जिलाधिकारी संजय चौहान ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में आमजन की समस्याएं सुनीं। जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

# ओवरएज्ड वाहनों पर बैन से चढ़ा सियासी पारा, आप ने कहा- भाजपा ने लोगों को मुसीबत में डाल दिया

**सीएक्यूएम ने कहा है कि 1 नवंबर से ओवरएज वाहनों पर बैन दिल्ली समेत गाजियाबाद, गुरुग्राम, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद और सोनीपत में लगेगा। इस पर सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली सरकार ने लोगों को बड़ी मुसीबत में डाल दिया है।**

**नई दिल्ली।** दिल्ली सरकार ने सेंटर फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) द्वारा ओवरएज वाहनों पर ईंधन प्रतिबंध के कार्यान्वयन को 1 नवंबर तक स्थगित करने के फैसले का स्वागत किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह जनहित में लिया गया सराहनीय निर्णय है। यह फैसला पर्यावरण संबंधी चिंताओं और नागरिकों की आजीविका के प्रति संतुलित और मानवीय दृष्टिकोण को दशार्ता है। वहीं आम आदमी पार्टी (आप) लगातार इस आदेश की आलोचना कर रही है। दिल्ली आप अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा, "इन्होंने (दिल्ली की भाजपा सरकार) सेंटर फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) को चिट्ठी लिखकर कहा कि वे जो कर रहे हैं ठीक कर रहे हैं, हम सीएक्यूएम के साथ हैं और इसी तरह प्रदूषण कम होगा। सीएक्यूएम ने कहा है कि 1 नवंबर से ईएलवी वाहनों पर बैन दिल्ली समेत गाजियाबाद, गुरुग्राम, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद और सोनीपत में लगेगा। इस पर सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इन्होंने दिल्ली और आसपास के सभी लोगों के लिए एक बड़ी मुसीबत खड़ी कर दी है।" फिलहाल राहत राजधानी में 15 साल पुरानी पेट्रोल और 10 साल पुरानी डीजल गाड़ियों पर लगी ईंधनबंदी फिलहाल हटा दी गई है। यह फैसला वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की 24वीं बैठक में मंगलवार को लिया गया। ऐसे में आयोग ने अपने फैसले में कहा है कि ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) कैमरा सिस्टम या ईंधन पंप स्टेशनों पर स्थापित अन्य ऐसी प्रणालियों के माध्यम से पहचाने गए सभी समय पूरा कर चुके वाहन (ईओएल) वाहनों को दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर और सोनीपत के पांच उच्च वाहन घनत्व वाले जिलों में 1 नवंबर, 2025 और शेष एनसीआर में 1 अप्रैल, 2026 से ईंधन भरने से मना कर दिया जाएगा। वाहन जब्त भी हो सकता है आयोग ने कहा है कि ऐसे ईओएल वाहनों के संबंध में तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें आरवीएसएफ नियम, 2021 और अन्य मौजूदा प्रावधानों के अनुसार जब्त करना और आगे का निपटान करना शामिल है। इसके अलावा, दिल्ली सरकार और एनसीआर राज्यों के परिवहन विभाग को (एएनपीआर) प्रणाली की उचित स्थापना और संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। परिवहन विभागों को यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि एएनपीआर प्रणाली का परीक्षण किया जाए और समय पर जनशक्ति का प्रशिक्षण किया जाए। वे ईंधन स्टेशनों सहित सभी हितधारकों के बीच इस निर्देश का व्यापक प्रचार-प्रसार करेंगे और प्रभावी प्रवर्तन उपायों के माध्यम से इसका सख्त अनुपालन सुनिश्चित करेंगे। साथ ही, ईओएल के बड़े बेड़े के परिसमापन की दिशा में सभी संबंधित एजेंसियों की तरफ से शुरू की गई समन्वित कार्रवाइयों की रिपोर्ट मासिक आधार पर आयोग को दी जाएगी।

## दिल्ली में लिव-इन पार्टनर और 6 साल की बच्ची की हत्या करने वाला गिरफ्तार, मजनू का टीला इलाके की वारदात

**नई दिल्ली।** मजनू का टीला इलाके में लिव इन पार्टनर व उसकी सहेली की दुधमुंही बेटी की हत्या करने वाले आरोपित निखिल को उत्तरी जिला पुलिस ने उत्तराखंड के हल्दवानी से गिरफ्तार कर लिया है। हत्या के बाद वह अपनी मां के पास जाना चाह रहा था लेकिन पकड़े जाने के डर से वह वहां नहीं गया। वह अपनी बहन के बॉयफ्रेंड राहुल के पास चला गया था। राहुल ने उसे अपने एक परिचित के पास रखवा दिया था। वहां से भी वह जंगल के रास्ते करीब 12 किलोमीटर दूर जाकर शहर में आया था तभी पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस का कहना है कि निखिल से सोनम को एक बच्चा हुआ था जिसे सोनम ने बेच दिया था। निखिल, बच्चे को अपने पास रखना चाह रहा था। इसी बात को लेकर निखिल व सोनम में विवाद हो गया था जिससे सोनम सहेली के पास आकर रहने लगी थी।

## बेबस मां: आंखों के सामने जिगर के टुकड़े का कत्ल, हत्यारों ने वर्चस्व को लेकर खेला खूनी खेल

**बाहरी दिल्ली।** दिल्ली में आदर्श नगर थाना क्षेत्र में वर्चस्व को लेकर दो गुटों में चल रहे टकराव ने अब खूनी झड़प का रूप ले लिया। चार दिन पहले हुए टकराव के बाद प्रतिद्वंद्वी गुट के तीन बदमाशों ने सोमवार रात 17 वर्षीय लड़के को उसकी मां के सामने गोली मार दी। इसके बाद महिला ने अपने बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया और पुलिस को सूचित किया। बताया जाता है कि चार दिन पहले हुए झगड़े का बदला लेने के लिए किशोर पर दो गोलियां चलाई गई हैं। पुलिस सूत्रों की मानें तो उसकी मां बेटे को ढूंढकर लाई और उसे थाने लेकर जा रही थी, तभी आरोपित ने उस पर फायरिंग कर दी और फरार हो गए। उत्तरी-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि इस मामले में हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने एक संदिग्ध आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शुरूआती जांच में पता चला कि पीड़ित किशोर और आरोपित के बीच इलाके में खुद को बड़ा बदमाश साबित करने का काफी समय से विवाद चला आ रहा था। चार दिन पहले पीड़ित पक्ष ने आरोपित पक्ष के लड़कों के साथ मारपीट भी की थी। जिसका बदला लेने के लिए दूसरे पक्ष के लड़कों ने वारदात को अंजाम दिया। इस झगड़े में पुलिस को पीड़ित की तलाश थी।ये था मामला बाहरी दिल्ली के आदर्श नगर थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते वसंत कुंज उत्तर थाना अंतर्गत महिपालपुर में मंगलवार देर शाम तीन सगे भाइयों ने सनी नाम के युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। युवक एक होटल में हाउस कीपिंग का काम करता था। वह शाम को काम से घर लौट रहा था। उसी दौरान आरोपितों ने उस पर हमला कर दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## खुद को बताता था दिल्ली पुलिस का एसआई, सीआईएसएफ की शिकायत के बाद एयरपोर्ट से गिरफ्तार; वर्दी भी बरामद

**नई दिल्ली।** आईजीआई एयरपोर्ट पर पुलिस ने साहिल कुमार नामक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि यह युवक नकली पुलिस वर्दी और जाली दस्तावेजों का उपयोग कर स्वयं को सब-इंस्पेक्टर बताकर लोगों को ठग रहा था। आईजीआई जिला की अतिरिक्त पुलिस आयुक्त उषा रंगनानी ने बताया कि सात जुलाई को दोपहर करीब साढ़े तीन बजे, टर्मिनल-3 के प्रस्थान क्षेत्र में सीआईएसएफ की सतर्कता टीम ने नियमित निगरानी के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया। इसने दिल्ली पुलिस के लोगो वाला सफेद टी-शर्ट पहना था। पूछताछ में वह अपनी तथाकथित तैनाती के बारे में स्पष्ट जवाब नहीं दे सका और अस्पष्ट बहाने बनाता रहा। उसके पास से जाली पहचान पत्र बरामद हुआ जिसमें उसे दिल्ली पुलिस का सब-इंस्पेक्टर बताया गया था। सीआईएसएफ की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर इस मामले में इंस्पेक्टर सुमित के नेतृत्व में टीम गठित की गई। आरोपित के कब्जे से जाली पुलिस पहचान पत्र, जाली नियुक्ति पत्र, दिल्ली पुलिस अकादमी की जाली मुहर वाला एक पेज और खाली केस डायरी बरामद हुआ। एक मोबाइल फोन बरामद हुआ, जिसमें उसकी दिल्ली पुलिस की वर्दी में तस्वीरें थीं। पूछताछ में पुलिस के समक्ष आरोपित साहिल ने स्वीकार किया कि उसने 12वीं कक्षा तक पढ़ाई की है और वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। वह दिल्ली के रोहिणी में एक स्वजन के साथ रहता था। साहिल ने दिल्ली के एक कैंप क्षेत्र से पुलिस वर्दी खरीदी और फोटोशाप का इस्तेमाल कर खुद जाली दस्तावेज तैयार किए। वह इंटरनेट मीडिया के जरिए दिल्ली पुलिसकर्मियों सहित महिलाओं से संपर्क करता था, खुद को 2024 बैच का सब-इंस्पेक्टर बताता था। गिरफ्तारी के दिन वह एक महिला पुलिसकर्मी से मिलने आईजीआई एयरपोर्ट पर आया था।

## दी जान, कई दिन से तनाव में थे अभिजीत

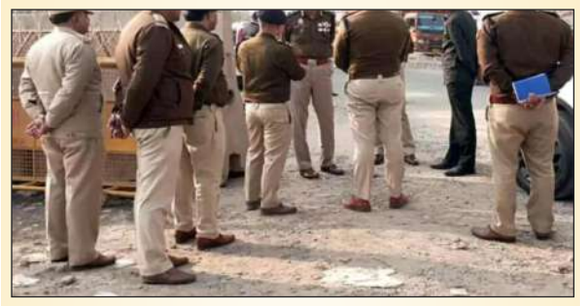

**दक्षिणी दिल्ली।** दक्षिणी दिल्ली में सेवानिवृत्त शिक्षक ने तीसरी मंजिल से कूदकर जान दे दी। बताया गया कि वे तनाव में चल रहे थे। कालकाजी थाना क्षेत्र में बुधवार को सेवानिवृत्त शिक्षक ने तीसरी मंजिल से कूदकर जान दे दी। मृतक की पहचान 69 वर्षीय अभिजीत गुप्ता निवासी पॉकेट-40, सीआर पार्क के रूप में हुई है। अभिजीत सेवानिवृत्त शिक्षक थे और सीआर पार्क में बहन के साथ रहते थे। पुलिस के मुताबिक, सुबह छह बजे उन्होंने घर की तीसरी मंजिल की खिड़की से कूदकर आत्महत्या कर ली। स्थानीय निवासियों के मुताबिक, वे पिछले कुछ समय से अवसाद में थे। शव को पोस्टमार्टम के लिए एम्स मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया है।

## सड़क से पुल और स्कूल से शौचालय तक... दिल्ली में अब नहीं रुकेगा कोई विकास कार्य; सीएम नई योजना का किया एलान

**नई दिल्ली।** जिला स्तर पर फंड उपलब्ध नहीं होने से अक्सर सड़क, पुल, स्कूल की मरम्मत कार्य, गोशालाओं के रखरखाव सहित अन्य छोटे काम समय पर नहीं हो पाते हैं। इसके समाधान के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में एकीकृत जिला परियोजना निधि और जिला परियोजना निधि को स्वीकृति प्रदान की है। क्या है योजना का मुख्य उद्देश्य? मुख्यमंत्री ने कहा, इस योजना का उद्देश्य आधारभूत ढांचे, सामुदायिक सुविधाओं और सामाजिक कल्याण से संबंधित कार्यों के लिए फंड उपलब्ध कराना है। लोक निर्माण विभाग, सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग, दिल्ली नगर निगम आदि के माध्यम से स्थानीय स्तर की समस्याओं का समाधान होगा। यह योजना पूरी तरह से दिल्ली सरकार द्वारा वित्तपोषित है। सरकार ने आवंटित की 53 करोड़ की राशि सरकार ने दोनों योजनाओं के लिए कुल 53 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की है। इसमें से एकीकृत जिला परियोजना निधि के लिए 20 करोड़ रुपये और जिला परियोजना निधि के लिए 33 करोड़ रुपये आवंटित हैं। इस योजना का संचालन परियोजना अनुमोदन समिति (पीएसी) द्वारा किया जाएगा। इस समिति के अध्यक्ष जिलाधिकारी (डीएम) होंगे और सदस्य सचिव अतिरिक्त जिलाधिकारी (एडीएम) होंगे। समिति में एसडीएम (मुख्यालय), बीडीओ, वरिष्ठतम लेखा अधिकारी तथा लाभार्थी विभाग का प्रतिनिधि सदस्य होंगे। बैठक में दिल्ली सरकार के सभी मंत्री, मुख्य सचिव और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। जिलों में होने वाले कार्य आधारभूत ढांचाः सड़क, पुल, राजस्व जिलों के कार्यालयों की मरम्मत से जुड़े छोटे कार्य। सामुदायिक सुविधाएंः सामुदायिक केंद्र, पंचायत घर एवं अन्य सार्वजनिक सुविधाओं से संबंधित मरम्मत कार्य। सामाजिक कल्याणः स्कूल व डिस्पेंसरी में मरम्मत कार्य, गौशाला, स्ट्रीट लाइट, सीसीटीवी और नालियों का रखरखाव, तालाबों का पुनर्जीवन तथा शिक्षा व स्वास्थ्य से जुड़ी परियोजनाएं। अन्य कार्यः सार्वजनिक शौचालयों और पार्कों की मरम्मत व रखरखाव, बाढ़ नियंत्रण प्रबंधन तथा अन्य मरम्मत और रखरखाव से जुड़े काम।

## फिल्म से हटाए गए आपत्तिजनक अंश', जमीयत उलमा-ए-हिंद ने खटखटाया था कोर्ट का दरवाजा

**नई दिल्ली।** एक सोशल पोस्ट करने के बाद उदयपुर में दर्जी कन्हैया लाल साहू की हत्या होने पर आधारित फिल्म उदयपुर फाइल्स की रिलीज रोकने की मांग को लेकर जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी की तरफ से दायर याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को सुनवाई की। इस दौरान सेंसर बोर्ड ने कहा कि फिल्म से आपत्तिजनक हिस्से हटाए गए। वहीं, फिल्म निमार्ता के वकील ने पुष्टि की कि कटौतियां की गई हैं। इस पर मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले में अरशद मदनी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और सेंसर बोर्ड की तरफ पेश हुए अतिरिक्त सालिसिटर जनरल (एएसजी) चेतन शर्मा के लिए फिल्म और ट्रेलर की स्क्रीनिंग की व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

## क्या दिल्ली के बाजारों पर रहेगा भारत बंद का असर? घर से निकलने से पहले जान लें जरूरी अपडेट

**नई दिल्ली।** कुछ ट्रेड यूनियनों द्वारा बुधवार को भारत बंद का आह्वान किया गया है, जिसकी कोई प्रभावशीलता दिल्ली के व्यापार व बाजारों पर नहीं होगी। दिल्ली सहित देश भर में सभी बाजार और व्यापारिक प्रतिष्ठान कल पूर्ण रूप से खुले रहेंगे। चांदनी चौक से सांसद और कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि इस तरह के बंद का समर्थन न तो दिल्ली अथवा देश के व्यापारियों ने किया है और न ही देश के। 9 जुलाई को देश भर के बाजारों में व्यापार पूर्व की भांति सामान्य रूप से चलता रहेगा और इस बंद के आह्वान का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा की व्यापार और अर्थव्यवस्था को किसी भी प्रकार की बाधा से मुक्त रखना आवश्यक है और व्यापारी समाज इस दिशा में अपनी जिम्मेदारी को निभाता रहेगा।

## दिल्ली पश्चिम विहार के बालाजी एक्शन अस्पताल में दो मजदूरों की संदिग्ध मौत, यूपी के रहने वाले थे दोनों

**नई दिल्ली।** देश की राजधानी के एक अस्पताल कैंपस के परिसर में सफाई करने के दौरान दो मजदूरों की बुधवार को मौत हो गई। पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। मामले की जांच की जा रही है। यह घटना दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके में स्थित बालाजी एक्शन हॉस्पिटल के कैंपस परिसर की है। सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, पश्चिम विहार पूर्व पुलिस स्टेशन को एक्शन बालाजी अस्पताल दो मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई करते हुए पश्चिम विहार पूर्व के थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ अस्पताल पहुंच गए। दोनों मृतक उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे। उनमें से एक का नाम बृजेश (उम्र 26 वर्ष) और दूसरे का विक्रम (उम्र 30 वर्ष) है। डॉक्टर ने परीक्षण के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। कार्बन फिल्टर के रखरखाव का कर रहे थे काम शुरूआती जांच से पता चला कि दोनों मृतक कार्बन फिल्टर के रखरखाव कार्य के दौरान बेहोश हो गए थे। यह कार्य अस्पताल में एएमसी ठेकेदार द्वारा किया जा रहा था। इसके बाद क्राइम ब्रांच और फॉरेंसिक की टीम को घटनास्थल पर बुलाया गया। उन्होंने घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया और कागजी कार्रवाई के साथ-साथ फोटोग्राफी भी की। मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर उन्होंने पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। इस मामले में कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच अभी जारी है। साथ ही, पुलिस आस-पास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है।

## केजरीवाल की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट का ईडी को नोटिस, इस मामले में मांगा जवाब

**नई दिल्ली।** दिल्ली में आबकारी घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में समन जारी करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर बुधवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अदालत ने केजरीवाल की दो याचिकाओं पर ईडी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान ईडी ने याचिकाओं के आधार पर सवाल उठाया, इस पर पीठ ने कहा कि ईडी हलफनामे में अपनी प्रारंभिक आपत्तियां दर्ज करा सकता है। मामले की अगली सुनवाई 10 सितंबर को होगी।

## वाहन मालिकों को आठ दिन में ही हो गया लाखों रुपये का नुकसान, लोगों का बजट गड़बड़ाया

**नई दिल्ली।** दिल्ली सरकार ने एक जुलाई को 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर जो प्रतिबंध लगाया उसने कई लोगों का बजट तक गड़बड़ा दिया है। कई लोगों ने जहां अपनी महंगी गाड़ियां औने-पौने दाम पर बेंच दीं जबकि कुछ ट्रांसपोर्टर ने जब्त होने के डर से वाहन से माल ढोना ही बंद कर दिया। हालांकि जनता के भारी विरोध, तकनीकी कठिनाइयों के चलते इस फैसले को वापस ले लिया गया है। इस निर्णय से लाखों वाहन मालिकों को राहत मिली है। हालांकि यह प्रतिबंध महज चार माह के लिए ही हटाया गया है। एक नवंबर से यह फिर से प्रभावी हो जाएगा और इस बार इसका दायरे में पूरा एनसीआर आएगा। पेट्रोल पंपों पर तैनात ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) कैमरों ने पुरानी गाड़ियों की पहचान की, जिसके चलते कई वाहनों को जब्त किया गया और चालान काटे गए। ऐसे में लोगों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा है। पर्यावरण कार्यकताओं का कहना है कि सरकार को प्रदूषण नियंत्रण के लिए दीर्घकालिक समाधान, जैसे इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना और उत्सर्जन परीक्षण को सख्त करना पर ध्यान देना चाहिए। चार साल पहले रिटायरमेंट के बाद एक डीजल डिजायर खरीदी थी, जो सिर्फ 7000 किलोमीटर चली है। पत्नी को फिजियोथेरेपी के लिए अस्पताल इसी गाड़ी से ले जाता था। एक जुलाई को पेट्रोल पंप पर मना कर दिया गया और कहा गाड़ी जब्त हो सकती है। डर के मारे मैंने इसे 50,000 रुपये में बेच दिया। अब बस से सफर करना पड़ रहा है। सरकार को पहले लोगों की जरूरतों का ध्यान रखना चाहिए था। 12 साल पुरानी डीजल इको मेरे छोटे व्यापार के लिए लाइफलाइन थी। 2 जुलाई को उन्होंने सोचा कि अब गाड़ी बेकार हो जाएगी तो मजबूरी में स्क्रैप डीलर को 30,000 रुपये में बेच दिया। अब किराए की गाड़ी से माल ढो रहे है, जिससे खर्चा दोगुना हो गया है। आठ दिन में उनकी जिंदगी पटरी से उतर गई। सरकार को पहले नई गाड़ी खरीदने की सब्सिडी देनी चाहिए थी। एनजीटी के पुराने वाहनों पर प्रतिबंध लगाने पर केजरीवाल सरकार ने नहीं की राहत लेने की कोशिश : सचदेवा प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पुराने वाहनों पर लगे एनजीटी प्रतिबंध पर आम आदमी पार्टी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने महज दो दिन में जनता की परेशानी को समझते हुए प्रतिबंध पर पुनः विचार कर उसे स्थगित करने का निर्णय लिया है

## मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को राहत नहीं, 13 अगस्त तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

**नई दिल्ली।** दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा की न्यायिक हिरासत 13 अगस्त तक बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने यह आदेश तब पारित किया जब राणा को पहले दी गई न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अदालत में पेश किया गया। राणा 26/11 के मुख्य षड्यंत्रकारी अमेरिकी नागरिक डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी का करीबी सहयोगी है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा 4 अप्रैल को उसके भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ उसकी पुनर्विचार याचिका खारिज करने के बाद उसे भारत लाया गया था। तहव्वुर राणा इस समय दिल्ली की तिहाड़ जेल में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की कस्टडी में है। उससे 26/11 हमले से जुड़े मामलों में पूछताछ कर की जा रही है। बता दें पाकिस्तान से नाव में आए लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकियों ने करीब 60 घंटे तक मायानगरी को बंधक बनाए रखा था। आतंकियों ने इस दौरान 160 से ज्यादा लोगों की जान ले ली थी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने नौ आतंकियों को मौके पर ढेर कर दिया था, जबकि एक आतंकी अजमल कसाब जिंदा पकड़ा गया था।

# लॉर्ड्स में जो रूट ने जड़ा शतक, राहुल द्रविड़ का ये रिकॉर्ड तोड़ा

**मैनचेस्टर (एजेंसी)।** लीड्स में भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। वहीं इस दौरान इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट ने आखिरकार अपने फेवरेट वेन्यू में ये इंतजार खत्म कर दिया। ऐतिहासिक लॉर्ड्स स्टेडियम में जो रूट ने टीम इंडिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में एक यादगार शतक जमा दिया। ये रूट के टेस्ट करियर का 37वां शतक है और इसके साथ ही वो महान भारतीय बल्लेबाज राहुल द्रविड़ और ऑस्ट्रेलिया के स्टार स्टीव स्मिथ से आगे निकल गए।

लॉर्ड्स में 10 जुलाई से शुरू हुए तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन बैटिंग के लिए उतरे रूट 99 रन पर नाबाद लौटे थे। ऐसे में हर किसी की नजरें इस पर थीं कि क्या वो दूसरे दिन अपना शतक पूरा कर पाते हैं या नहीं। लेकिन रूट ने नर्वस नाइंटीज की बाधा को पार किया और ये मुकाम हासिल कर लिया। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान रूट ने दिन की पहली ही गेंद पर चौका जमाते हुए अपना शतक पूरा कर लिया। इसके साथ ही वो सबसे ज्यादा शतक जमाने वाले बल्लेबाजों में 5वें नंबर पर पहुंच गए।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड के लिए जो रूट को पहले सेशन में ही क्रीज पर उतरना पड़ा था। सिर्फ 44 रन पर 2 विकेट गिरने के बाद रूट ने ऑली पोप के साथ मिलकर पारी को संभाला और टीम को बेहतर स्थिति में पहुंचाया। फिर उन्हें कप्तान बेन स्टोक्स का साथ मिला और दोनों ने दिन का खेल खत्म होने तक कोई विकेट नहीं गिरने दिया। हालांकि, दूसरे दिन रूट का शतक होने के बाद वह अपना विकेट गंवा बैठे।

### जो रूट के नाम सबसे ज्यादा रिकॉर्ड

रूट के नाम अब 37 शतक हो गए हैं। उन्होंने इस तरह पूर्व भारतीय बल्लेबाज राहुल द्रविड़ और ऑस्ट्रेलिया के मौजूदा स्टार स्टीव स्मिथ को पीछे छोड़ दिया है। दोनों के नाम 36-36 शतक हैं। इस तरह सचिन तेंदुलकर, जैक कैलिस, रिकी पोंटिंग और कुमार संगाकारा के बाद रूट सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले 5वें बल्लेबाज बन गए हैं।

# ऋषभ पंत डॉक्टरों की निगरानी में, लॉर्ड्स में चोट के बाद जुरेल को मिली विकेटकीपिंग

**लंदन (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने कहा कि भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन दूसरे सत्र के खेल के दौरान अपने बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लगने के बाद मैदान से बाहर चले गए जिसके बाद वह चिकित्सकीय टीम की निगरानी में हैं।

BCCI ने एक बयान में कहा कि पंत पर चिकित्सकीय टीम की निगरानी है और उनकी जगह ध्रुव जुरेल को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बीसीसीआई ने कहा, 'टीम इंडिया के उप-कप्तान ऋषभ पंत के बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लगी है। फिलहाल उनका इलाज चल रहा है और वे चिकित्सकीय टीम की निगरानी में हैं। ऋषभ की अनुपस्थिति में ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग कर रहे हैं।'

चोट लगने के बाद मैदान में दिए गए उपचार के बाद भी पंत को कोई फायदा नहीं हुआ और वह मैदान से बाहर चले गए जिनकी जगह ध्रुव जुरेल को भेजा गया जबकि वह तीसरे टेस्ट के लिए अंतिम एकादश में भी शामिल नहीं थे। पारी के 34वें ओवर में जसप्रीत बुमराह की गेंद को लेग साइड में रोकने के लिए डाइव लगाने के बाद पंत दर्द से कराह रहे थे।

पंत गेंद पर हाथ लगाने में कामयाब रहे लेकिन इसे पूरी तरह से रोक नहीं पाए। इसके बाद खेल कुछ देर के लिए रुका रहा क्योंकि भारतीय सहयोगी स्टाफ पंत के हाथ का उपचार करने के लिए मैदान में थे। लेकिन खेल फिर से शुरू होने पर वह विकेटकीपिंग करने में असमर्थ हो गए। अंत में बुमराह का ओवर समाप्त होने के बाद पंत मैदान से बाहर चले गए और जुरेल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली।

# अंपायर से भिड़ गए कप्तान शुभमन गिल, जमकर हुई बहस

**लॉर्ड्स (एजेंसी)।** लॉर्ड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन भारतीय कप्तान शुभमन गिल को गुस्से में देखा जा सकता है। पहले सेशन में गिल के साथ ही तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अंपायर्स पर भड़कते दिख रहे हैं। इस दौरान की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहे हैं।

दरअसल, इंग्लैंड की पारी के 91वें ओवर में हुई, जब भारत दूसरे दिन के पहले घंटे के खेल के दौरान बेन स्टोक्स, शतकवीर जो रूट और क्रिस वोक्स को आउट करने के बाद मैच पर हावी था। 91वें ओवर की कुछ गेंदों के बाद जब दूसरी नई गेंद 10.4 ओवर पुरानी थी, गिल ने गेंद के आकार को लेकर शिकायत की। अंपायर पॉल रीफेल ने अपनी जेब से रिंग निकाली और गेंद टेस्ट में पास नहीं हुई। इससे गेंद में बदलाव का संकेत मिले, क्योंकि चौथे अंपायर बॉल बॉक्स लेकर आया। अंपायरों ने एक गेंद चुनी और गिल तुरंत उससे नाखुश हो गए।

उन्होंने अंपायर शरफुद्दौला से तीखी बहस की। गिल पीछे हटने को तैयार नहीं थे और लगातार शिकायत करते रहे, लेकिन उन्हें अपनी फील्डिंग पोजीशन पर वापस जाने को कहा गया ताकि खेल फिर से शुरू हो सके। सिराज अंपायर के पास गए और गेंद को देखा, उसके बाद स्टंप माइक पर उन्हें ये कहते सुना गया, ये 10 ओवर पुरानी गेंद हैं? सचमुच?

# इंग्लैंड के खिलाफ पांचवे मैच में भी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

**लॉर्ड्स (एजेंसी)।** लंदन (ईएमएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम शनिवार को यहां बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ जारी पांचवें और अंतिम मैच को भी जीतने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले ही ये सीरीज जीत ली है। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। भारतीय टीम इस सीरीज में 3-1 से आगे हैं। इस मैच को जीतने के साथ ही उसकी बढ़त 4-1 हो जाएगी। भारतीय टीम ने पिछले सप्ताह एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था जिससे वह इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार है। उत्सुक होगी। भारतीय गेंदबाजों विशेषकर स्पिनरों अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं इंग्लैंड के बल्लेबाज भारतीय स्पिनरों के सामने संघर्ष करते दिखे हैं। इस सीरी में अब तक स्पिनरों ने 22 विकेट लिए हैं। राधा यादव और श्री चरणी ने इस सीरीज में जबरस्त प्रदर्शन किया है। वहीं दूसरी ओर केवल एक मैच जीती मेजबान इंग्लैंड की महिला टीम के लिए स्पिनर दीप्ति शर्मा के नेतृत्व में भारत के स्पिन आक्रमण का सामना करना आसान नहीं रहेगा। बल्लेबाजी में भारत की स्मृति मंधाना ने अब तक सबसे अधिक रन बनाये हैं। उन्होंने शेफाली वर्मा के साथ मिलकर भारत को आक्रामक शुरुआत दिलाई है। जेमिमा रोड्रिग्स मध्यक्रम में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं हालांकि कप्तान कहरमनप्रीत कौर अभी तक अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं दिखीं हैं।।

वहीं इंग्लैंड के लिए कप्तान नैट साइवर-ब्रंट के बिन परेशानी बढ़ गयी है। ब्रंट फिट नहीं होने के कारण बाहर हो गयी हैं। इससे उसका संतुलन गड़बड़ा गया है। उसके बल्लेबाजों में सोफिया डंकले ही केवल रन बना रही हैं। सलामी बल्लेबाज़ डंकले और डैनी वायट-हॉज अच्छी शुरुआत नहीं दे पायी हैं। उसका मध्यक्रम भी लड़खड़ा गया है। गेंदबाजी विभाग में तेज गेंदबाज लॉरेन बेल ने छह विकेट लेकर अच्छा प्रदर्शन किया है पर उसने अन्य गेंदबाज फिसल हैं

### दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

**भारत:** हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, एन श्री चरणी, शुचि उपाध्याय, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे।

**इंग्लैंड:** टैमी ब्यूमोंट (कप्तान), एम अर्लट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, एमी जोन्स (विकेट कीपर), पैगी स्कोल्फील्ड, लिंसे स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज, इसी वोंग, माइया बाउचियर।

# टॉस हारने में सबसे आगे है भारतीय टीम

लॉर्ड्स । भारतीय क्रिकेट टीम टॉस हारने के मामले में शीर्ष पर पहुंच गयी है । इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में टॉस हारने के साथ ही भारतीय टीम के नाम ये अनचाहा रिकार्ड दर्ज हो गया है । भारतीय टीम अब तक लगातार 13 टॉस हारी है । वहीं वेस्ट इंडीज की टीम 12 बार टॉस हारी थी । इंग्लैंड के खिलाफ इस टेस्ट सीरीज में भारतीय कप्तान शुभमन गिल तीनों मैचों में टॉस हारे हैं । भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 2025 में आखिरी बार इंग्लैंड के खिलाफ टी20 मैच के दौरान टॉस जीता था । भारत के नाम सबसे ज्यादा टॉस हारने का रिकॉर्ड है । भारत 31 जनवरी 2025 से 10 जुलाई 2025 तक कुल 13 मैचों में टॉस हारा है ।

# आईसीसी नियम के अनुसार जुरेल नहीं कर सकेंगे ऋषभ की जगह पर बल्लेबाजी

लॉर्ड्स ( । यहां इंग्लैंड के खिलाफ जारी तीसरे क्रिकेट टेस्ट के पहले ही दिन भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की अंगुली में चोट लग गयी जिसके बाद उनकी जगह पर विकेकीपिंग करने के लिए ध्रुव जुरेल मैदान पर उतरे । ऋषभ के अब इस मैच मे विकेटकीपिंग करने की संभावना नहीं है। ऐसे में जुरेल ही विकेटकीपिंग संभालेंगे। जुरेल इस मैच में केवल विकेटकीपिंग ही करेंगे बल्लेबाजी नहीं कर पायेंगे। इसका कारण आईसीसी का एक नियम है। आईसीसी के इस नियम के अनुसार अगर कोई खिलाड़ी चोटिल होता है तो उसका सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी ना तो गेंदबाजी कर सकता है और ना बल्लेबाजी या कप्तानी अंपायरों की सहमति से वह विकेट कीपिंज जरूर कर सकता है । नियमों में आगे कहा गया है, केवल एक नामित खिलाड़ी ही बल्लेबाजी कर सकता है और ऐसा तब भी कर सकता है, जब पहले एक सबस्टीट्यूट प्लेयर ने उसके लिए काम किया हो ।

# रोहित शर्मा से छिन सकती है वनडे टीम की कप्तानी, इस खिलाड़ी का नाम आ रहा सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ट के बाद अब शुभमन गिल भारत की वनडे क्रिकेट टीम के कप्तान बनने की जानकारी सामने आई है। फिलहाल इस पद पर रोहित शर्मा हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार गिल 2027 विश्व कप में भारत की कप्तानी करेंगे और निकट भविष्य में यह पद संभालेंगे। रोहित कब तक अपनी जगह बनाए रख पाएंगे, यह स्पष्ट नहीं है। अन्य रिपोर्टों का दावा है कि गिल अक्टूबर में भारत तीन मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान वनडे टीम की कप्तानी करेंगे। दिसंबर 2024 में जब रोहित ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें टेस्ट से खुद को अलग कर लिया था जो भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में उनका आखिरी कार्यकाल भी था। इस बात की अटकलें तेज हो गई थी। उन्होंने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में टीम का नेतृत्व किया और भारत के लिए वनडे और टेस्ट खेलने की अपनी इच्छा बनाए रखी (उन्होंने 2024 टी20 विश्व कप जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास ले लिया)। हालांकि इंग्लैंड टेस्ट टीम की घोषणा होने से पहले ऐसी खबरें आईं कि बीसीसीआई चयनकर्ताओं ने रोहित को टेस्ट कप्तानी से हटाने का फैसला किया है। इसके तुरंत बाद, इस सीनियर स्टार ने इस प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर दी। रोहित वनडे विश्व कप जीतना चाहते हैं और उन्होंने इसका जिक्र भी किया था। ऐसे में जब विश्व कप 2027 में है तो रोहित फिट रहना चाहेंगे ताकि 2023 संस्करण के निराशाजनक प्रदर्शन को बदला जा सके, जहां भारत अहमदाबाद में फाइनल में हार गया था। वहीं उनके साथी विराट कोहली का भी यही लक्ष्य है जो टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं। गिल ने टेस्ट से पहले वनडे में खुद को स्थापित किया, और 2023 और 2024 में सलामी बल्लेबाज के तौर पर शानदार प्रदर्शन किया। इंग्लैंड में उनकी कप्तानी प्रभावशाली रही है, जिसमें अच्छे रणनीतिक फैसले और साथियों के साथ खुला संवाद शामिल है।

# दो देशों के लिए खेल चुके पीटर मूर ने संन्यास की घोषणा की, 35 की उम्र में क्रिकेट को कहा अलविदा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आयरलैंड के बल्लेबाज पीटर मूर ने 35 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने अपने करियर को अलविदा कहने से पहले 85 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। हरारे में जन्मे मूर ने आयरलैंड जाने से पहले जिम्बाब्वे के साथ अपना अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू किया था। उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच इसी साल फरवरी में बुलावायो में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में खेला था।

नवंबर 2014 में, मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय मैच के दौरान मूर ने जिम्बाब्वे के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया। उन्होंने 2016 में क्रमशः न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान के खिलाफ अपना टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया। उनके 49 वनडे, 21 टी20 अंतरराष्ट्रीय और 8 टेस्ट मैच ज़िम्बाब्वे के लिए खेले। उन्होंने अक्टूबर 2022 में आयरलैंड के लिए खेलने के लिए अर्हता प्राप्त की, क्योंकि उनकी नानी की आयरिश विरासत के कारण उनके पास आयरिश पासपोर्ट था। उन्हें पहली बार मार्च-अप्रैल 2023 में बांग्लादेश और श्रीलंका के टेस्ट दौरों के लिए आयरलैंड की टीम में चुना गया था। इसके बाद उन्होंने आयरलैंड के लिए सात टेस्ट मैच खेले।

पीटर मूर ने कहा, 'मुझे अब भी लगता है कि शीर्ष स्तर पर मेरे अंदर तीन या चार साल का अच्छा क्रिकेट खेलने का मौका है। भले ही पिछले कुछ सालों में मैं जिम्बाब्वे के लिए कुछ विश्व कप से चूक गया हूं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि मैं अगले विश्व कप में आयरलैंड के लिए खेल सकूंगा।' हालांकि मूर ने आयरलैंड के लिए कभी कोई वनडे या टी20 मैच नहीं खेला। वहां जाने के बाद उनका टेस्ट प्रदर्शन भी गिर गया, जिम्बाब्वे के लिए आठ टेस्ट मैचों में उनका औसत 35.53 रहा जिसमें 5 अर्धशतक शामिल थे, लेकिन आयरलैंड के लिए उनका औसत केवल 14.35 रहा जिसमें एक अर्धशतक शामिल था।

आयरलैंड के लिए उनका एकमात्र अर्धशतक जुलाई 2024 में जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत में आया था। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 85 मैचों में इस बल्लेबाज ने 22.91 की औसत से 11 अर्धशतकों के साथ 1925 रन बनाए। मूर दो अलग-अलग देशों के लिए टेस्ट मैच खेलने वाले 17 क्रिकेटरों में से एक के रूप में संन्यास लिया।

# भारत को नीतीश को टीम में बनाए रखना चाहिए : अनिल कुंबले

लंदन । पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें टेस्ट टीम में नियमित रूप से शामिल किया जाना चाहिए क्योंकि उन्होंने खुद को अनुशासन और प्रतिभा का बेहतरीन मिश्रण साबित किया है। इंग्लैंड के मौजूदा दौरे में अपना दूसरा मैच खेल रहे रेड्डी गुरुवार को तीसरे टेस्ट के पहले दिन दो विकेट लेकर सबसे सफल भारतीय गेंदबाज रहे। कुंबले ने जियोस्टार से कहा, 'मैं यह देखकर हैरान था कि नीतीश कुमार रेड्डी ने कितनी अच्छी गेंदबाजी की। उन्होंने लगातार सही क्षेत्रों में गेंद डाली। वह भाग्यशाली थे जो उन्हें लेग साइड में डाली गई शॉर्ट पिच गेंद पर विकेट मिला लेकिन इसके अलावा उन्होंने पूरे दिन अनुशासित गेंदबाजी की।' उन्होंने कहा, 'नीतीश ने आस्ट्रेलिया में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था तथा शतक लगाया था। इसके अलावा उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की थी भले ही उन्हें ज्यादा विकेट नहीं मिले थे। टीम के मुख्य तेज गेंदबाजों को राहत देने और साझेदारी तोड़ने के लिए उनके जैसे गेंदबाज की जरूरत होती है।' इस दिग्गज लेग स्पिनर ने आगे कहा, 'उन्होंने एक स्पेल में लगभग 14 ओवर फेंके जिससे उनकी फिटनेस और गेंदबाजी पर नियंत्रण का पता चलता है। वह युवा हैं। अच्छे बल्लेबाज हैं और शतक लगा चुके हैं। वह अच्छे क्षेत्र रक्षक ही हैं। भारत को उन्हें टीम में बनाए रखना चाहिए और बदलाव करने के प्रलोभन से बचना चाहिए।'

# योगराज बोले गंभीर अच्छा काम कर रहे, सीरीज जीतेगी भारतीय टीम

चंडीगढ़ । पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने कहा है कि भारतीय टीम के कोच गौतम गंभीर अच्छा काम कर रहे हैं । इसलिए उनकी आलोचना न करें । योगराज के अनुसार गंभीर के मार्गदर्शन और शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम इस सीरीज में जरुर जीतेगी । दोनो ही टीमें अभी सीरीज में 1-1 से बराबरी पर हैं । अपने विवादास्पद बयानों के लिए चर्चाओं में रहने वाले योगराज ने कहा, भारतीय खिलाड़ी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर अपना खेल सुधार रहे हैं । हमें हमेशा उनका समर्थन करना चाहिए । इसके अलावा गंभीर को लेकर भी नकारात्मक टिप्पणी नहीं करनी चाहिये क्योंकि वह अच्छा काम कर रहे हैं । उन्होंने कहा, गंभीर, युवराज सिंह और राहुल द्रविड़ अब क्रिकेट को अपनी तरफ से दे रहे हैं क्योंकि क्रिकेट से उन्हें बहुत कुछ मिला है । अब अगर हमारी टीम सीरीज हारती भी है तो भी हमें उनका समर्थन करन चाहिए । योगराज ने उम्मीद जताई है कि टीम इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज में बेहतर करेगी । उन्होंने कहा, अगर आप हारते हैं तो आपको सफाई नहीं देना है ; अगर आप जीतते हैं तब भी आपको कुछ समझाने की जरूरत नहीं है । हमें उम्मीद है कि हम शुभमन गिल की कप्तानी में सीरीज जीतेंगे । इससे पहले गंभीर का कोच के तौर पर रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है । भारतीय टीम को उनके कोच रहते पहले न्यूजीलैंड और फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी ही धरती पर हार का सामना करना पड़ा है । वहीं अब इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज की शुरुआत टीम रही है और टीम ने अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी का प्रदर्शन किया है । युवा कप्तान शुभमन गिल ने जिस आत्मविश्वास से कप्तानी की है उससे उनके बढ़े हुए मनोबल का अंदाजा होता है ।

# विंबलडन 2025 : वर्बीक और सिनियाकोवा ने रचा इतिहास, जीता मिक्स्ड डबल्स खिताब

लंदन । चेक गणराज्य की कैटेरीना सिनियाकोवा और नीदरलैंड्स के सेम वर्बीक ने गुरुवार (स्थानीय समयानुसार) को विंबलडन 2025 का मिक्स्ड डबल्स खिताब अपने नाम कर लिया । फाइनल मुकाबले में उन्होंने ब्रिटेन के जो सालिसबरी और ब्राज़ील की लुइसा स्टेफनी को सीधे सेटों में 7-6(3), 7-6(3) से हराया । सेंटर कोर्ट पर घरेलू खिलाड़ी सालिसबरी और उनकी जोड़ीदार स्टेफनी के खिलाफ खेले गए इस मुकाबले में चेक-डच जोड़ी ने संयम और आत्मविश्वास का परिचय दिया । दूसरे सेट में स्टेफनी को पैर में परेशानी भी नजर आई, जिसका असर उनकी मूवमेंट पर पड़ा । जीत का आखिरी बिंदु कैटेरीना सिनियाकोवा के ओवरहेड स्मैश के साथ आया, जिसके बाद दोनों खिलाड़ियों ने खिताबी जीत का जश्न मनाया । यह दोनों की एक साथ पहली खिताबी जीत है । जहां सिनियाकोवा का यह पहला मिक्स्ड डबल्स ग्रैंड स्लैम खिताब है, वहीं 31 वर्षीय वर्बीक के करियर का यह पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है । खिताब जीतने के बाद 29 वर्षीय सिनियाकोवा ने कहा, 'यह बहुत खास है । इस टूर्नामेंट में खेलकर और जीतकर बहुत मज़ा आया । यह एक शानदार अनुभव था ।'

# टेनिस खिलाड़ी बेटी को पिता ने मारी गोलियां, अकादमी चलाने से नाराज था, लोग कसते थे तंज

**गुरुग्राम (एजेंसी)।** गुरुग्राम में एक पिता ने अपनी बेटी की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतका राधिका यादव एक टेनिस खिलाड़ी थी। पिता दीपक यादव ने अपनी बेटी पर 5 गोलियां चलाई जिनमें से तीन उसे लगीं। पुलिस ने उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला गुरुग्राम के सुशांत लोक फेज 2 का है।

पुलिस ने बताया कि व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी बेटी की हत्या इसलिए की क्योंकि वह अपनी बेटी द्वारा टेनिस अकादमी चलाने से नाराज था और लोग उस पर फब्तियां कसते थे कि वह उसकी कमाई पर गुजारा कर रहा है। वहीं कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि पिता अपनी पुत्री के इंस्टाग्राम पर वीडियो बनाने से पसेशान था। पुलिस के मुताबिक उन्हें एक फोन आया था कि गोली लगने से घायल एक महिला को अस्पताल में मृत लाया गया है। पुलिस मृतक के घर गई और पाया कि वह एक टेनिस अकादमी चलाती थी और उसके पिता ने उसे गोली मार दी थी।

उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया और प्रारंभिक जांच के दौरान उसने अपनी बेटी की हत्या करना कबूल कर लिया। शिकायत आरोपी के भाई ने दर्ज कराई। पुलिस ने बताया कि दीपक अपनी बेटी द्वारा टेनिस अकादमी चलाने से नाराज था और उसे अकादमी बंद करने के लिए मजबूर कर रहा था। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान दीपक ने बताया कि उसकी बेटी ने कंधे में चोट लगने के बाद एक अकादमी खोली थी। जब भी वह वजीराबाद स्थित अपने गांव जाता था, तो लोग उसकी बेटी की कमाई पर गुजारा करने के लिए उस पर ताने कसते थे जिससे उसकी गरिमा को ठेस पहुंचती थी।

दीपक ने बताया कि उसने अपनी बेटी से अकादमी बंद करने को कहा था, लेकिन उसने मना कर दिया, जिससे वह नाराज हो गया। आज, उसने कथित तौर पर अपनी रिवॉल्वर निकाली और उसे गोली मार दी। आरोपी के भाई ने अपनी शिकायत में कहा, %सुबह करीब 10 बजे, मुझे एक तेज आवाज सुनाई दी और जब मैं पहली मंजिल पर गया, तो मैंने अपनी भतीजी (राधिका) को रसोई में और बंदूक को ड्राइंग रूम में पड़ा देखा। मैं और मेरा बेटा उसे एशिया मारिंगो अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।' आरोपी के भाई ने कहा, 'मेरा भाई .32 बोर की रिवॉल्वर इस्तेमाल करता था, और वह उसी की थी।'

राधिका राष्ट्रीय स्तर की टेनिस खिलाड़ी थीं और उन्होंने कई प्रतियोगिताएं जीती थीं। 25 वर्षीय पीड़िता की गुरुग्राम सेक्टर-57 स्थित उसके घर में सुबह करीब 10 बजे गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने उसके पिता द्वारा इस्तेमाल की गई बंदूक जब्त कर ली है और मामले की जांच की जा रही है।

## कृष की चौथी किस्त में ऋतिक की तिहरी भूमिका, रेखा और प्रीति जिंटा भी होंगी हिस्सा

ऋतिक रोशन की मशहूर सुपरहीरो सीरीज कृष एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार है। कृष 4 अब तक की सबसे बड़ी, सबसे रोमांचक और भावनात्मक कहानी लेकर आ रही है। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के बाद दो और बड़े नाम जुड़ने की जानकारी सामने आई है।

### शानदार कलाकारों की वापसी

एक खबर के मुताबिक, प्रियंका चोपड़ा अपनी पुरानी भूमिका में लौट रही हैं, जिसे लेकर प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। साथ ही, रेखा और प्रीति जिंटा भी इस फिल्म का हिस्सा होंगी। रेखा, जो कोई मिल गया और कृष में ऋतिक की मां की भूमिका निभा चुकी हैं, कहानी को जोड़े रखेंगी, जबकि प्रीति जिंटा की वापसी नए रंग लाएंगी। इस बार ऋतिक रोशन तीन अलग-अलग किरदार निभाएंगे। जो अतीत, वर्तमान और भविष्य से जुड़े होंगे। कहानी एक बड़े वैश्विक खतरे के इर्द-गिर्द घूमेगी, जिसमें कृष को अलग-अलग रूप लेने होंगे। कृष 4 में शानदार विजुअल इफेक्ट्स और जबरदस्त एक्शन होगा। साथ ही, यह फिल्म परिवार, प्यार और बलिदान की भावनाओं को भी छूएगी। वाईआरएफ स्टूडियो में प्री-विजुअलाइजेशन का काम शुरू हो चुका है, और यह फिल्म अंतरराष्ट्रीय स्तर के वीएफएक्स से टक्कर लेगी। खास बात यह है कि ऋतिक रोशन पहली बार निर्देशन भी कर रहे हैं और स्क्रिप्ट को बेहतर बनाने के लिए आदित्य चोपड़ा की टीम के साथ काम कर रहे हैं।

### क्या होगा खास?

प्री-प्रोडक्शन में चल रही कृष 4 सिर्फ एक सुपरहीरो फिल्म नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा में एक नया कीर्तिमान स्थापित करने जा रही है। बेहतरीन कलाकार, नई कहानी और शानदार दृश्यों के साथ यह फिल्म भारतीय फंतासी और विज्ञान कथा सिनेमा को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

## रवि किशन की बेटी रीवा इन शर्तों पर कर सकती हैं भोजपुरी फिल्में

**भोजपुरी एक्टर रवि किशन यूं तो तीन बेटियों और एक बेटे यानी 4 बच्चों के पिता हैं, लेकिन यहां बात करने जा रहे हैं उनकी बेटी रीवा के बारे में। भोजपुरी से लेकर बॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुके रवि किशन की बेटी रीवा किशन रियल लाइफ में काफी ग्लैमरस हैं और उन्होंने भी अपने पिता के नक्शे कदम पर आगे बढ़ते हुए फिल्मों में कदम बढ़ाने का फैसला लिया था।**

ग्लैमर के मामले में सारे स्टार किड्स को टक्कर देती हैं रवि किशन की बेटी रीवा रवि किशन की बेटी रीवा ग्लैमर के मामले में किसी स्टार किड्स से कम नहीं। कई बार तो हॉलीवुड एक्ट्रेस को भी टक्कर देती हैं। रीवा सोशल पर काफी एक्टिव हैं। रीवा ने पिता और फिल्मों से प्रेरित होकर पहले ही एक्टिंग की दुनिया में आगे आने का फैसला ले लिया था। इसके लिए तैयारी भी शुरू की और नसीरुद्दीन शाह के एक्टिंग ड्रामा ग्रुप से एक साल की ट्रेनिंग ली।

### सब कुश मंगल से डेब्यू

रीवा ने साल 2020 में सब कुश मंगल फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में अक्षय खन्ना के साथ रीवा के ऑपोजिट पद्मिनी कोल्हापुरे के बेटे प्रियांक शर्मा नजर आए थे। हालांकि, ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर चली भी नहीं। हालांकि इसके बाद रीवा किसी फिल्म में नहीं दिखीं, लेकिन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। रीवा ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि फिल्मों में एंट्री का प्लान उनका हमेशा से था। उन्होंने कहा था, मैं फिल्मों में काम शुरू करने से पहले दुनिया भर में ट्रैवल और एक्टिंग वर्कशॉप करना चाहती हूं। उन्होंने कहा था, मुझे अपने पिता की वजह से अधिक से अधिक तीन फ़िल्में मिलेंगी, लेकिन उसके बाद मुझमें कौन इन्वेस्ट करेगा? ये मेरा टैलेंट होगा जो मुझे यहां बरकरार रहने में मदद करेगा। रीवा ने बताया था कि पापा रवि किशन ने जब उनकी फिल्म का ट्रेलर देखा था तो उन्हें लगा था कि उनके अपने ही घर में ये बच्चा स्टार है। वहीं रीवा ने भोजपुरी फिल्मों में भी काम करने को लेकर बातें की थीं।

### अगर अच्छी स्क्रिप्ट मिले

भोजपुरी फिल्मों में काम को लेकर रीवा ने कहा था कि अगर अच्छी स्क्रिप्ट मिले तो वो इस इंडस्ट्री में जरूर काम करेंगी। इसके अलावा भोजपुरी फिल्मों में काम करने की दूसरी शर्त ये रखी कि वो फिल्म डैड (रवि किशन) प्रड्यूस करें, क्योंकि उन्हें यकीन है कि पापा कुछ अमेजिंग लेकर आ सकते हैं।

## सीरीज 'स्पेशल ऑप्स 2' की रिलीज डेट बदली, जानें कब दे रही दस्तक?

हाल ही में अभिनेता केके मेनन ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह जानकारी दे रहे हैं कि तय तारीख पर सीरीज 'स्पेशल ऑप्स 2' का प्रीमियर नहीं होगा। अब इसकी रिलीज की तारीख बदल चुकी है। क्या है नई तारीख? और ये फैसला क्यों लिया गया है? इस बारे में भी केके मेनन ने जानकारी साझा की। केके मेनन इंस्टाग्राम पर साझा किए गए वीडियो में कहते हैं, 'अब 'स्पेशल ऑप्स 2' 11 जुलाई की बजाय 18 जुलाई को रिलीज होगा। कुछ चीजें हमारे कंट्रोल में नहीं होती है, इसलिए हमें यह फैसला लेना पड़ा है। मगर दर्शकों को एक साथ ही सभी एपिसोड देखने को मिलेंगे।' यह सीरीज जीयोहॉटस्टार पर स्ट्रीम की जाएगी। 'स्पेशल ऑप्स 2' में भी स्पेशल एजेंट हिम्मत सिंह अपनी टीम के साथ आतंकवादियों का मुकाबला करेगा। इस बार इंटरनेशनल लेवल का मिशन हिम्मत सिंह हैंडल करेगा। नीरज पांडे निर्देशित इस सीरीज में इस बार साउथ के पॉपुलर एक्टर प्रकाश राज भी नजर आएंगे। प्रकाश राज, केके मेनन के अलावा इस सीरीज में करण टैकर, फारुक अली भी नजर आएंगे। ये भी सीरीज में स्पेशल एजेंट्स के रोल में नजर आएंगे। इस सीरीज के पहले सीजन को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। सीरीज का दूसरा पार्ट लगभग पांच साल के बाद वापस आया है।

## सानंद ने साझा किया विक्रांत मैसी और शनाया कपूर के साथ काम करने के अनुभव

भाबीजी घर पर हैं फेम अभिनेता सानंद वर्मा की अपकमिंग फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। अभिनेता ने अपने किरदार के बारे में बताया कि इसे रचने में हेमा मालिनी के 'शोले' के किरदार बसंती से प्रेरणा मिली। इस फिल्म में सानंद का किरदार एक मजेदार और बातूनी ड्राइवर का है। सानंद ने अपने किरदार के बारे में बताया, अपकमिंग फिल्म में मेरे किरदार का नाम शौकी लाल है, जिसका नाम भी काफी मजेदार है। वह एक हंसमुख और बातूनी ड्राइवर है, जो बिल्कुल रुकता नहीं और लगातार बात करता है। यह किरदार 'शोले' की बसंती की याद दिलाता है, जो गाड़ी चलाते हुए लगातार बोलती थी, खूब बात करती थी। उन्होंने बताया कि शौकी लाल फिल्म की कहानी में कॉमेडी के साथ एनर्जी भी लाता है, फिल्म का एक खास हिस्सा है। सानंद ने शुरू में सोचा था कि उनका किरदार गुटखा चबाता हो, लेकिन सेट पर डायरेक्टर संतोष सिंह के सुझाव पर इसे हटा दिया गया। सानंद ने बताया, मेरा किरदार स्वाभाविक है, इसलिए ज्यादा तैयारी की जरूरत नहीं पड़ी। मैंने अपनी जिंदगी में कई बातूनी ड्राइवर देखे हैं और 'शोले' को 15 बार देखने के बाद बसंती मेरे लिए एक रेफरेंस बन गई। फिल्म के ड्राइविंग सीन्स उत्तराखंड की पहाड़ियों में खतरनाक मोड़ों पर शूट किए गए हैं। सानंद ने बताया, मैं 22 साल से गाड़ी चला रहा हूं, इसलिए यह मेरे लिए आसान और मजेदार था। सानंद ने को-एक्टर विक्रांत मैसी और शनाया कपूर के साथ काम करने के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने बताया, विक्रांत बहुत ही पेशेवर और गंभीर अभिनेता हैं। उनके साथ काम करना शानदार रहा। शनाया ने अपनी डेब्यू फिल्म में कमाल किया। एक इमोशनल सीन में वह कट के बाद भी रोती रहीं, जो उनकी मेहनत और समर्पण को दिखाता है। वह विनम्र हैं और उनमें स्टार किड वाला कोई रवैया भी नहीं है। 'आंखों की गुस्ताखियां' रस्किन बॉन्ड की कहानी 'द आइज हैव इट' से प्रेरित है। फिल्म में शनाया एक थिएटर आर्टिस्ट और विक्रांत एक ब्लाइंड म्यूजिशियन की भूमिका में हैं। यह रोमांटिक ड्रामा 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

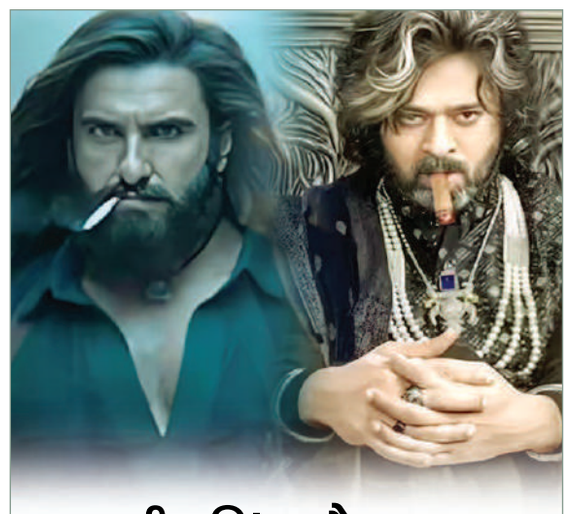

## रणवीर सिंह और प्रभास के बीच होगी बॉक्स ऑफिस पर भिड़ंत, शाहिद कपूर भी होंगे मैदान में

इस साल का दिसंबर फिल्मप्रेमियों के लिए बेहद खास होने वाला है। कारण है एक नहीं, दो नहीं बल्कि बॉक्स ऑफिस पर तीन बड़ी फिल्मों का सीधा टकराव। रिपोर्ट्स की मानें तो रणवीर सिंह की मच अवेटेड फिल्म धुरंधर और प्रभास की द राजा साब अब 5 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं और यही नहीं, इन दोनों फिल्मों के साथ विशाल भारद्वाज की अगली फिल्म भी उसी दिन रिलीज हो रही है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर महाभारत होना तय माना जा रहा है।

### रणवीर और प्रभास की होगी भिड़ंत

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट की मानें तो रणवीर सिंह और प्रभास की टक्कर देखने को मिलेगी। रणवीर सिंह के जन्मदिन यानी 6 जुलाई को जहां धुरंधर का टीजर रिलीज किया जाएगा, वहीं ये भी कन्फर्म कर दिया गया है कि फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य धर कर रहे हैं, जो इससे पहले उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक जैसी ब्लॉकबस्टर बना चुके हैं। फिल्म को लेकर बताया जा रहा है कि ये भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के शुरुआती दिनों और एक गुप्त ऑपरेशन से प्रेरित है, जिसमें पाकिस्तान में अबू कताल नाम के आतंकवादी की रहस्यमयी हत्या को दर्शाया जाएगा।

### द राजा साब की रिलीज डेट भी 5 दिसंबर

वहीं दूसरी ओर, प्रभास की द राजा साब एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है, जिसमें उन्हें एक अलग अंदाज में देखने को मिलेगा। फिल्म को बड़े पैमाने पर कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि दोनों फिल्मों में संजय दत्त भी महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

### विशाल भारद्वाज की फिल्म भी आएगी

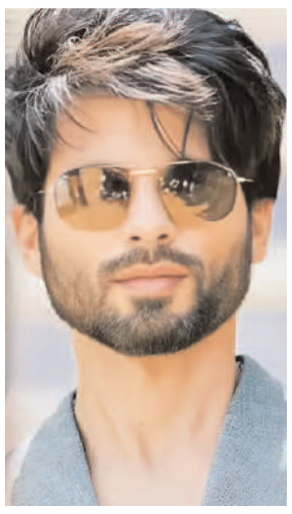

तीसरी फिल्म जो इस दिन रिलीज के लिए तैयार हो रही है, वो है विशाल भारद्वाज की अगली फिल्म, जिसमें शाहिद कपूर, त्रिप्ती डिमरी, नाना पाटेकर और रणदीप हुड्डा जैसे मंझे हुए कलाकार नजर आएंगे। इसे साजिद नाडियाडवाला प्रोड्यूस कर रहे हैं। रणवीर की धुरंधर जहां थ्रिल, देशभक्ति और इंटेलिजेंस ऑपरेशन्स से भरपूर है, वहीं द राजा साब में हॉरर और कॉमेडी का अनोखा मेल दिखेगा। तीनों ही फिल्में अपने-अपने जनर में जबरदस्त दावेदार हैं, जिससे यह दिन बॉक्स ऑफिस इतिहास में खास दर्ज होने वाला है।

### दर्शकों के लिए ये उत्साह से कम नहीं

बॉलीवुड के जानकारों का मानना है कि इस टकराव से सभी फिल्मों को एक-दूसरे की कमाई पर असर झेलना पड़ सकता है। लेकिन वहीं दर्शकों के लिए ये मौका किसी उत्सव से कम नहीं होगा—एक दिन में तीन जबरदस्त फिल्मों का रोमांच। अब देखना दिलचस्प होगा कि रणवीर, प्रभास और शाहिद में से किसकी फिल्म जीतती है दर्शकों का दिल और बॉक्स ऑफिस की जंग।

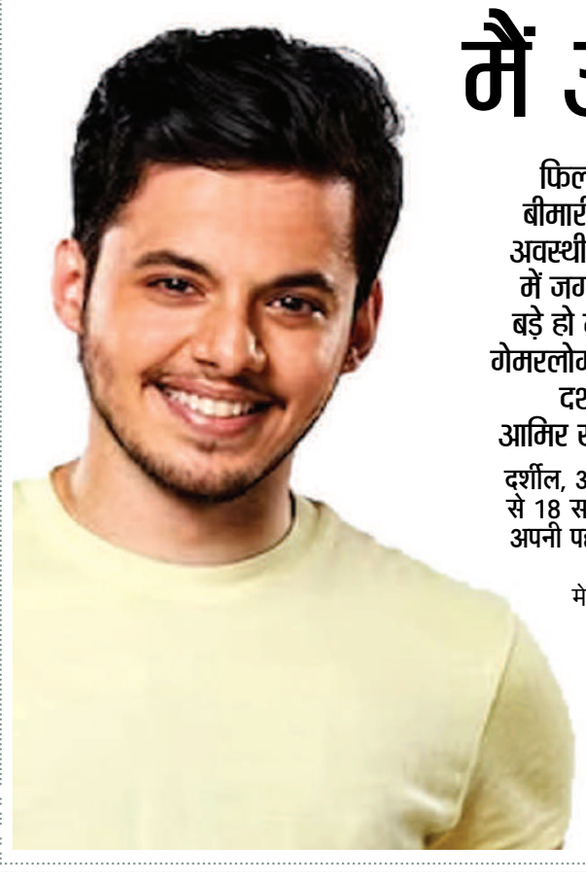

## मैं आज भी आमिर खान सर के टच में हूं

**फिल्म तारे जमीन पर में डिस्लेक्सिया बीमारी से पीड़ित बच्चे ईशान नंदकिशोर अवस्थी का रोल निभाकर लोगों के दिलों में जगह बनाने वाले दर्शील सफारी अब बड़े हो गए हैं और अपनी नई वेब सीरीज गेमरलोग को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में दर्शील ने अपने करियर, पढ़ाई और आमिर खान के बारे में ढेर सारी बातें कीं।**

**दर्शील, आपकी पहली फिल्म तारे ज़मीन पर अब से 18 साल पहले साल 2007 में आई थी। आप अपनी पहली फिल्म से लेकर इस फिल्म तक के सफर के बारे में बताइए।**

मेरा पूरा सफर किसी रोलर-कोस्टर से कम नहीं है। मेरा यह सोचना था कि मैं सबसे अनुभवी निर्देशकों के साथ काम कर पाऊं। मुझे शुरू से ही एक झिझक सी होती थी कि मैं एक ट्रेन्ड ऐक्टर नहीं हूं जिसने ऐक्टिंग सीखी हो। तो मुझसे जो भी डायरेक्टर कहते थे, मैं कर लेता था। लेकिन जो चीज़ें ऐक्टिंग को बनाती हैं, चाहे भीतर के इमोशन्स हों या इम्प्रोवाइजेशन, वह नहीं आ पा रही थी। और चूंकि मैंने कई दिग्गज़ों जैसे आमिर खान, अतुल कुलकर्णी, रॉनित रॉय जैसों के साथ काम कर लिया था, तो मैं सोचता था कि मैं वहां तक कैसे पहुंचूंगा। फिर मैंने अपने बोर्ड एग्जाम खत्म होने के बाद ब्रेक लिया और थिएटर जॉइन किया। यह सिलसिला कोविड महामारी तक चला और मैंने लगभग हर राज्य में परफॉर्म किया। इस चीज ने मुझे बदल दिया और सिखाया कि एक ऐक्टर क्या होता है। लेकिन कोविड में सबकुछ अचानक थम सा गया। इस दौरान मुझे लगा कि अब वेब सीरीज से बड़े पर्दे पर वापसी की जा सकती है। मैंने फिर ऑडिशन दिया गेमरलोग के लिए और मुझे चुन लिया गया। मैं मानता हूं कि अगर आप किसी चीज के लिए तैयार हैं, तभी वह आपके पास आती है।

**एक ऐसा बैट्समैन जो पहली ही बॉल पर सिक्स मार दे, (दर्शील की डेब्यू फिल्म तारे जमीन पर सुपरहिट रही थी), उसके लिए बाकी चीजों को चेज करना कितना मुश्किल होता है?**

उसके लिए आइडिया यही है कि आपको आउट नहीं होना है। अगर आउट होते हो तो आगे की इनिंग्स का भी देखना है। लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि गेंद ही आपकी रेंज में आ जाती है। अब जब मैंने नेट पर खूब प्रैक्टिस की है, तो फिर से यह मौका आया है। तब फिल्म के बाद आमिर खान के टच में थे? बिल्कुल, मैं तो अभी तक आमिर खान सर के टच में हूं। बीच में थिएटर के समय थोड़ा सा गैप आ गया था। अभी गेमरलोग के लिए मैंने उन्हें अप्रोच किया तो उन्होंने मुझे घर बुलाया। हमने उनको भी गेमरलोग का ट्रेलर दिखाया और उनको काफी पसंद आया। इससे हमें भी प्रोत्साहन मिला।

**आपको फिल्म तारे ज़मीन पर से पहचान मिली थी। क्या इसे संयोग ही कहा जाए कि इस समय आमिर खान की फिल्म सितारे ज़मीन पर भी सिनेमाघरों में है और आपकी गेमरलोग भी रिलीज हुई है।**

बिल्कुल, ये कुदरत का कोई करिश्मा या ऊपर से लिखी हुई कोई कहानी लगती है। क्योंकि ऐसा कुछ प्लान नहीं था। हमारे इस शो की मेहनत बहुत सालों से चल रही है और फिर इसी टाइम पर पता नहीं कैसे रिलीज़ हो गई। एक बात अच्छी है कि दोनों प्रोजेक्ट्स को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और मेहनत रंग लाई। मैं एक चीज़ हमेशा मानता हूं कि ऑडियंस सबसे महत्वपूर्ण है और कॉन्टेंट ही किंग है। और आज के समय में हमारी ऑडियंस बहुत स्मार्ट हो चुकी है। तो यह जो हमारा शो है गेमरलोग, यह एक गेमिंग के लेंस के द्वारा जिंदगी की कहानी बताती है। इसमें गेमरलोग एक टीम है जो एक ई-स्पोर्ट्स कॉम्पिटीशन जीतना चाहती है।

**आप गेमरलोग में काम कर रहे हैं। क्या आपने पहले कभी गेमिंग की है? और कैसा लगा इस सीरीज में काम करके?**

हम सभी ने बहुत मेहनत, लगन, प्यार और पैशन से यह प्रोजेक्ट बनाया है। सभी लोग गेमिंग से कहीं न कहीं जुड़े हुए हैं। नीता मैम (लेखक-प्रड्यूसर) उतना प्रफेशनली नहीं खेलतीं, लेकिन फिर भी उनका बहुत सपोर्ट रहा। फिर लोगों का इतना प्यार आना और पहले ही चार दिन में हम टॉप 5 में आ गए थे, तो वह भी एक बहुत हॉर्ट वॉर्मिंग फीलिंग है। मैं बस यही आशा करता हूं कि ऑडियंस जो हमें रिस्पॉन्स दे रही है, वह देती रहे। ताकि हम भी ऐसा काम करते रहें। इससे हमें भी बहुत प्रोत्साहन मिलता है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।